राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 06 जून 2023 वर्ष–6,अंक–131 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हम अंग्रेजों को दोष नहीं देते, बीजेपी कांग्रेस को बताती है जिम्मेदार; रेल हादसे पर राहुल गांधी

राहुल गांधी ने न्यूयॉर्क में प्रवासी भारतीयों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान हुई रेल दुर्घटनाओं के लिए अंग्रेजों को दोष नहीं दिया लेकिन बीजेपी हमे दोष देती है।

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने न्यूयॉर्क में प्रवासी भारतीयों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने शासन के दौरान हुई रेल दुर्घटनाओं के लिए अंग्रेजों को दोष नहीं दिया, लेकिन बीजेपी और आरएसएस के लोग भविष्य देखने में असक्षम हैं। अगर आप उनसे पूछोगे कि रेल हादसा क्यों हुआ तो वो कहेंगे कि कांग्रेस ने 50 साल पहले ऐसा किया था इसलिए ऐसा हुआ। राहुल गांधी ने केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी के लोग हमेशा कार चलाते समय पीछे का शीशा देखते हैं, तो एक्सीडेंट तो होगा ही।

ओडिशा के बालासोर में ट्रिपल-ट्रेन हादसे में आधिकारिक मौत का आंकड़ा 275 है। जबकि, 1000 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। इसमें भी कईयों की हालत बेहद गंभीर है। यह कहना गलत नहीं कि आजादी के बाद के सबसे भयावह रेल हादसों में यह एक है। इस हादसे में कोरोमंडल एक्सप्रेस पहले खड़ी मालगाड़ी से टकराई फिर दूसरी दिशा से आ रही अन्य यात्री ट्रेन से टकराई। इसमें कोरोमंडल एक्सप्रेस की कई बोगियां पटरी से उतर गई और सैकड़ों में लोग मारे गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेरिका के न्यूयॉर्क में रेल हादसे पर केंद्र पर सवाल उठाने से नहीं चूके।

पीछे का शीशा देखकर कार चलाती है बीजेपी

राहुल गांधी ने न्यूयॉर्क में प्रवासी भारतीयों को अपने संबोधन में कहा, अब इसके बारे में सोचें। आप में से कई लोग कार चलाना जानते होंगे। कल्पना करें कि यदि आपने केवल पीछे का शीशा देखकर कार चला रहे हैं तो हादसा तो होगा ही। ये हाल बीजेपी का भी है। बीजेपी और आरएसएस वाले भविष्य देखने में असक्षम हैं। वे हमेशा अतीत की बात करते हैं और दूसरों पर दोष मढ़ते हैं।

कांग्रेस ने 50 साल पहले ऐसा किया था इसलिए ऐसा हुआ। राहुल गांधी ने केंद्र पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बीजेपी के लोग हमेशा कार चलाते समय पीछे का शीशा देखते हैं, तो एक्सीडेंट तो होगा ही।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि हमने अपने कार्यकाल में कभी अंग्रेजों पर दोष नहीं मढ़ा, लेकिन अगर आप बीजेपी और आरएसएस वालों से पूछोगे कि रेल हादसा क्यों हुआ? तो वे लोग कहेंगे कि कांग्रेस ने 50 साल पहले ऐसा किया था, इसलिए ऐसा हुआ।

महात्मा गांधी और गोडसे के बीच लड़ाई

कांग्रेस और भाजपा-आरएसएस के बीच वैचारिक लड़ाई के बारे में बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह महात्मा गांधी और नाथूराम गोडसे के बीच की लड़ाई की तरह है। ÷एक तरफ, आपके पास महात्मा गांधी हैं और दूसरी तरफ, आपके पास नाथूराम गोडसे हैं। यह लड़ाई का वर्णन करने का सबसे सटीक तरीका है। एक तरफ आप जैसा मजबूत एनआरआई और दूसरी तरफ नाथूराम गोडसे - हिंसक , गुस्से में, अपने जीवन की वास्तविकता का सामना करने में असमर्थ। गांधी को गोली मारने का कारण यह था कि वह अपने जीवन का सामना नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्हें अपना गुस्सा किसी पर उतारना पड़ा।

15 लाख हिंदू महिलाओं के अंडरगारमेंट्स का चुराया डेटा, फिर शॉपिंग कंपनी को ऐसे किया ब्लैकमेल

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। साइबर डेटा हैक करने वाले एक गिरोह ने 15 लाख से अधिक हिन्दू महिलाओं के अंडरगारमेंट्स और पर्सनल डेटा हैक कर लिया। इसमें उनके मोबाइल नंबर, एड्रेस, जन्मतिथि, ईमेल आईडी और अंडरगारमेंट की साइज तक शामिल है। हैकर्स ने न सिर्फ राजस्थान बल्कि पूरे देश की महिलाओं का डेटा चोरी कर लिया। इतना ही नहीं, आरोपी ने खुद को कट्टर हिन्दू बताते हुए ट्विटर पर डेटा का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा कि कंपनी हिन्दू महिलाओं के डेटा को अरब देशों में बेच रही है। इसकी एवज में हैकर ने कंपनी को ब्लैकमेल भी किया। साइबर क्राइम की इस घटना को अंजाम देने वाला शख्स संजा सोनी राजस्थान के उदयपुर का रहने वाला है और सोशल मीडिया पर कट्टरवादी हिन्दू की छवि बनाये हुए है। आरोपी ने न सिर्फ अपने हैकर साथियों के साथ मिलकर न केवल डेटा चुराया बल्कि लगातार कंपनी को डेटा की एवज में पैसे देने के लिए ब्लैकमेल कर रहा था। संजय ने खुद इन डेटा के स्क्रीनशॉट ट्विटर पर डाले और दावा किया कि किसी ने भारतीय हिंदू महिलाओं के डेटा चुराकर मुस्लिम कंट्री में बेच दिए हैं। डेटा हैक होने और आरोपी द्वारा ट्विटर पर शेयर किए जाने के बाद ऑनलाइन शॉपिंग जिवामी कंपनी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराइ। कंपनी ने दावा किया कि उसने ऐसा कोई डेटा किसी के सतब शेयर नहीं किया है। जिसके बाद आरोपी के ट्वीट के आधार पर कार्रवाई शुरू हुई। पुलिस एक्शन हुआ तो सब चौंक गए। दरअसल हिन्दू महिलाओं को सावधान और सतर्क करने की नसीहत देने वाले संजय ने ही डेटा हैक किया था और इस एवज में कंपनी को ब्लैकमेल कर रहा था। राजस्थान SOG ने हैकिंग को डिकोड करते हुए आरोपी पर शिकंजा कसा है।

ओडिशा ट्रेन हादसे वाले ट्रैक की मरम्मत हुई, आवाजाही शुरू, 48 घंटे बाद जिंदा मिला युवक

भुवनेश्वर/बालासोर। ओडिशा के बालासोर में ट्रेन हादसे वाले ट्रैक की मरम्मत का काम पूरा हो गया है। ट्रेनों की आवाजाही शुरू हो गई है। उधर, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दो जून से बालासोर के बहानगा बाजार स्टेशन में ही रुके। राहत-बचाव और मरम्मत कार्य देखा। हादसे के 51 घंटे बाद ट्रैक पर जब पहली ट्रेन रवाना की गई, तब रेल मंत्री हाथ जोड़कर खड़े देखे गए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अभी हमारी जिम्मेदारी खत्म नहीं हुई। हमारा लक्ष्य लापता लोगों को खोजना है। यह कहकर वे भावुक हो गए।

झाड़ियों में बेहोश मिला युवक

हादसे के 48 घंटे बाद रविवार रात घटनास्थल से एक यात्री जिंदा मिला। हादसे के वक्त वह बोगी से निकलकर झाड़ियों में गिरकर बेहोश हो गया था। युवक की पहचान असम के रहने वाले डिलाल के रूप में हुई है।उसे तुरंत रेस्क्यू करके इलाज के लिए भेजा दिया गया, जहां उसे होश भी आ गया। घटना में उसका फोन और वॉलेट गायब हो गया।

ओडिशा सरकार ने कहा- हादसे में 288 नहीं, 275 जानें गई–ओडिशा के चीफ सेक्रेटरी प्रदीप जेना ने रविवार सुबह दावा किया कि हादसे में 288 नहीं, बल्कि 275 लोगों की जान गई है। उन्होंने कहा कि कुछ शव दो बार गिन लिए गए थे, इस वजह से मृतकों की संख्या में गड़बड़ी हुई। हादसे में 1175

लोग घायल हुए, जिनमें से 793 को इलाज के बाद डिस्चार्ज किया जा चुका है। इस पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि हमारे पास हादसे में जान गंवाने वालों की लिस्ट बढ़ रही, लेकिन उनके पास घट रही है। हादसे में पश्चिम बंगाल के 162 लोगों की जान गई है।अब तक पूरी लिस्ट नहीं मिल पाई है। बहुत से ऐसे लोग भी यात्रा करते हैं जो लिस्ट में नहीं होते। 182 शवों की अब तक पहचान नहीं हुई है।

मोबाइल पर खेल-खेल में बदला जा रहा मजहब, क्या है पूरा तरीका

गाजियाबाद। क्या आपके बच्चे भी घंटों मोबाइल पर गेम खेलते हैं? मोबाइल लेकर अकेले में वक्त बिताते हैं? यदि जवाब %हां% है तो आपको भी विशेष सतर्क रहने की जरूरत है। आंखों को होने वाले नुकसान से तो आप वाकिफ हैं हीं, साइबर फ्रॉड के खतरे के बारे में भी आप जानते होंगे। लेकिन अब एक नए खुलासे ने चिंता कहीं अधिक बढ़ा दी है। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में मोबाइल गेम खेलते हुए एक कारोबारी के नाबालिग बेटे का धर्म ही बदल गया। वह जिम जाने के बहाने मस्जिद में 5 वक्त की नमाज बढ़ने लगा। बेटे के बदले हाव-भाव के बाद जब शक हुआ तो उन्होंने पीछा किया। बेटा मस्जिद में नमाज पढ़ता मिला। थोड़ी और पड़ताल की तार मुंबई तक जुड़ गए। अब पुलिस ने धर्मांतरण के इस खेल से जुड़े मौलवी को गिरफ्तार कर लिया है। अब तक की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। गेमिंग ऐप के जरिए नाबालिगों का धर्म परिवर्तन कराने वाले गिरोह के बारे में पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने अहम खुलासा किया है। अधिकारियों के मुताबिक गिरोह तीन चरणों में धर्म परिवर्तन कराता था। पहले और दूसरे चरण में धर्म बदलने के लिए किशोरों को उकसाया जाता था, तीसरे चरण में उन्हें भड़काऊ भाषणों से ब्रेनवॉश कर कट्टर बनाया जाता था। बाद में धर्म परिवर्तन करवाकर उन्हें दूसरे लोगों को जाल में फंसाने का टास्क दिया जाता था। गिरोह बेहद चालाकी से धीरे-धीरे बच्चों का ब्रेनवॉश करता था। राजनगर निवासी उद्योगपति ने 30 मई को कविनगर थाने में अपने इकलौते नाबालिग बेटे का धर्म परिवर्तन कराने का केस दर्ज कराया था। जांच में सामने आया कि संजयनगर स्थित धर्म स्थान के धर्मगुरु अब्दुल रहमान और मुंबई निवासी बद्दो इस गिरोह के सदस्य हैं। उसने गाजियाबाद के दो, फरीदाबाद और चंडीगढ़ के एक-एक नाबालिग का धर्म परिवर्तन कराने की पुष्टि की। बद्दो की गिरफ्तारी के लिए गाजियाबाद पुलिस मुंबई में दबिश दे रही है। मामले में सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गई हैं। पुलिस ने जिस धर्म गुरु को गिरफ्तार किया है उसने कई बच्चों का धर्म बदला है। वह एनसीआर के चार लड़कों का धर्म परिवर्तन करा चुका है। अंदेशा है कि गिरोह ने देशभर के हजारों नाबालिगों का धर्म परिवर्तन करा दिया है। गिरोह फर्जी आईडी के जरिए गेम में हारने के बाद नाबालिगों को धार्मिक ग्रंथ का कुछ हिस्सा पढ़ने को भेजता था, जिसके पढ़ने के बाद वे गेम जीत जाते थे। हर बार यही प्रक्रिया अपनाई जाती थी। उसके बाद उन्हें अपने समुदाय की खूबियां बताकर उससे जुड़े वीडियो दिखाए जाते थे।

बीएसएफ ने नशीले पदार्थों की खेप ले जा रहा पाकिस्तानी ड्रोन मार गिराया

जालंधर। अमृतसर की अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने रतनखुर्द गांव के पास नशीले पदार्थों के खेप के साथ एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने सोमवार को बताया कि रविवार की रात को लगभग 0945 बजे, गहराई वाले क्षेत्र में तैनात सीमा सुरक्षा बल के सतर्क जवानों ने अमृतसर के रतनखुर्द गांव के पास एक पाकिस्तानी ड्रोन का पता लगाया। उन्होने बताया कि जवानों ने ड्रोन को रोकने के लिए तुरंत प्रतिक्रिया दी और पाक ड्रोन को नशीले पदार्थों की खेप सहित मार गिराया।

बाद में क्षेत्र की तलाशी के दौरान, बीएसएफ के जवानों ने गाँव के खेतों से एक काले रंग का ड्रोन (क्वाडकॉप्टर, डीजेआई मैट्रिस, 300 आरटीके) और इससे जुडे तीन किलो दो सौ ग्राम हेरोइन के तीन पैकेट बरामद किए।

51 के हुए सीएम योगी, ऐसे की दिन की शुरुआत

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 5 जून 2023 को 51 साल के हो गए हैं। इस मौके पर देश भर से उन्हें बधाइयों और शुभकामना संदेश मिल रहे हैं। इस बीच सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक से अपने दिन की शुरुआत की। इसके बाद जनता दर्शन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जुटे फरियादियों की समस्याएं सुन वहां मौजूद अधिकारियों को समाधान का आदेश दिया। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पौधरोपण कर सीएम ने देशवासियों को इसकी बधाई दी। सीएम योगी के जन्मदिन पर प्रदेश के कई जिलों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस उपलक्ष्य में काशी में विशेष गंगा आरती की गई।

लखनऊ सहित कई शहरों में शांतनु गुप्ता द्वारा लिखित ग्राफिक नावल को सोमवार को जारी किया जाएगा।

अजय टू योगी आदित्यनाथ नामक इस ग्राफिक नावल को 20 जिलों के 51 स्कूलों में 5000 बच्चों की उपस्थिति के साथ जारी किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में विधायक सांसद मंत्री और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। इस पुस्तक में सीएम योगी के बचपन से लेकर मुख्यमंत्री बनने तक की यात्रा की दर्शाया गया है। पहली बार इतने लोग एक किताब को एक साथ लॉच करेंगे। यह एक रिकॉर्ड होगा । केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, स्मृति ईरानी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने सीएम योगी को 51 वें जन्मदिन की बधाई दी है। नितिन गडकरी ने एक ट्वीट के जरिए अपने शुभकामना संदेश में लिखा, उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री श्री @myogiadityanath जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आप स्वस्थ और दीर्घायु रहें, ईश्वर से यही कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीएम योगी को जन्मदिन की बधाई देते हुए ट्वीट में लिखा, उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री, @myogiadityanath जी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। वे पूरे मनोयोग और समर्पण के साथ, उत्तर प्रदेश को एक विकसित राज्य बनाने के लिये काम कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश में इसका धरातल तैयार कर दिया है। ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखें एवं दीर्घायु करें। वहीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी योगी आदित्यनाथ को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, उत्तर प्रदेश को नए भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध, प्रदेश के लोकप्रिय सीएम @myogiadityanath जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आपके नेतृत्व में प्रदेश के निरंतर विकास एवं लोककल्याण और आपकी दीर्घायु व स्वस्थ जीवन हेतु मंगलकामना करती हूँ।

हमारा दायित्व अभी खत्म नहीं हुआ... रेल हादसे में लापता लोगों की बात करते रो पड़े रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर में हादसे वाली जगह पर रेस्टोरेशन का काम पूरा हो गया है। रविवार देर रात रेस्टोरेशन की जानकारी देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि एक्सीडेंट साइट पर अप एंड डाउन पर ट्रैक रेल यातायात के लिए पूरी तरह तैयार है। तभी रेल मंत्री अपनी बात आगे बढ़ाते हुए रो पड़े। उन्होंने कहा कि हमारा दायित्व अभी पूरा नहीं हुआ है। जिन लोगों ने इस हादसे में अपने लोगों को खोया, उन्हें उनके परिवार तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। ओडिशा के बालासोर रेल हादसे में मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा 275 है। वहीं, अभी भी 1000 से अधिक लोग घायल हैं। जिनमें कईयों की हालत बेहद गंभीर है। वहीं, घटनास्थल के पास एक स्कूल को अस्थायी मुर्दाघर बनाया गया हैं। जहां लोग अपनों के शवों की पहचान कर रहे हैं। अभी भी सैकड़ों शवों की पहचान होना बाकी है। इस बीच शनिवार तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद रविवार से हादसे वाली जगह पर रेस्टोरेशन का काम शुरू हुआ। खुद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मौके पर मौजूद रहकर अपने सामने पूरा काम करवाया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी रेल मंत्री को फोन कर ताजा हालात का जायजा लिया था। रविवार देर रात मीडियाकर्मियों से

बातचीत में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, ÷एक्सीडेंट साइट से तीन गाड़ियां रवाना हो चुकी हैं, कल रात से करीब-करीब सात गाड़ियां प्लांड हैं। बहुत की संवेदना के साथ हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि लापता लोगों के परिवार के सदस्य उन्हें जल्द से जल्द ढूंढ सकें... हमारी जिम्मेदारी अभी खत्म नहीं हुई है। इस बीच दक्षिण पूर्व रेलवे ने सोमवार तड़के कहा कि बहाली का काम पूरा हो गया है और अप और डाउन दोनों लाइनों को फिट घोषित कर दिया गया है। ÷पहली ट्रेन रविवार को रात 10:40 बजे डाउन लाइन पर चलाई गई और पहली ट्रेन सोमवार को 00:05 बजे अप लाइन पर चलाई गई। एसईआर ने कहा, दोनों लाइनों पर सामान्य यातायात की आवाजाही फिर से शुरू हो गई है।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार शाम को कहा कि रेलवे बोर्ड ने ओडिशा के बालासोर में ट्रेन दुर्घटना की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग की है। शुरुआत में ट्रायल रन के तौर पर मालगाड़ियों को पटरियों पर चलने की इजाजत दी गई थी। बाद में यात्री ट्रेनों को चलाने की अनुमति दी गई। जीर्णोद्धार कार्य की निगरानी कर रहे वैष्णव ने रविवार देर रात मरम्मत कार्य के बाद ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

रेलवे के लिए सबक

भारतीय रेलवे के इतिहास में एक बेहद दुखद और शर्मनाक हादसा दर्ज हो गया। ओडिशा के बालासोर जिले में स्थित बहानागा बाजार स्टेशन एक बहुत अविश्वसनीय हादसे का गवाह बन गया। इस हादसे को समझने में ही लगभग एक दिन का समय लग गया और जो गलती हुई है, उसका आकार-प्रकार तय करने में पता नहीं कितना समय लगेगा? केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को यह बताया कि दुर्घटना इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से हुई है। रविवार सुबह तक 290 लोगों की मौत हुई है और करीब 1,000 लोग घायल हैं। रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने मामले की जांच की है और घटना की वजहों के साथ-साथ इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान भी कर ली गई है। आमतौर पर रेलवे सामूहिक जिम्मेदारी के तहत दोषी या जिम्मेदार व्यक्ति के नाम उजागर करने से बचता है, पर अब यह परिपाटी बदलनी चाहिए। रेलवे ही नहीं, हर विभाग में जो गैर-जिम्मेदार लोग हैं, उन्हें चिह्नित करना चाहिए। बदलते दौर में सरकारों की जिम्मेदारी है कि किसी भी तरह की सेवा में नाकारा लोगों को बर्दाश्त न किया जाए। साल 1995 के बाद यह सबसे घातक रेल दुर्घटना है और इससे बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। पहले भी सुधार के अवसरों को हमने गंवाया है, पर अब सुधार से मुंह चुराने की रत्ती भर भी गुंजाइश नहीं है। दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला भारत और उसका जरूरत से ज्यादा दबाव झेलता रेल ढांचा छटांक भर लापरवाही भी नहीं बर्दाश्त कर सकता। प्रधानमंत्री का दुर्घटनास्थल पर जाना और वहां रेल मंत्री का लगातार बचाव कार्य में जुटे रहना बेहतर संकेत है। सेवा के मामले में दिखावे का दौर अब पीछे छूट जाना चाहिए और हर सेवा को चाक-चौबंद करना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत अगर सुविधा व सेवा को सुरक्षित बनाने पर पूरा ध्यान लगाए, तो ऐसे हादसों से हम बच सकते हैं, लेकिन आम लोगों को भी सोचना पड़ेगा कि क्या हम अपनी सुरक्षा, सुविधा सुनिश्चित करने के लिए ही वोट देते हैं? समय बदल रहा है, जनता की सुरक्षा के प्रति हर नेता को सजग होना चाहिए। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहुंच गईं। वह कोशिश में लग गईं कि जान गंवाने वालों की संख्या को बढ़ाकर बताएं, ताकि राजनीति चमकाने में सुविधा हो। वैसे, वह रेल मंत्री रह चुकी हैं, तो आज जो रेल दुर्घटना हुई है, उसमें उनका भी कुछ तो योगदान बनता होगा? वस्तुतः यह रेल हादसा राजनीति नहीं, बल्कि नीति और नीयत का विषय है। कवच सुरक्षा जल्दी से जल्दी पूरे देश में लागू हो, लेकिन यह हादसा कवच से जुड़ा नहीं है। इसमें दो यात्री गाड़ियां आमने-सामने से एक ही पटरी पर नहीं भिड़ी हैं। यहां इंटरलॉकिंग सिस्टम, सिग्नल, प्वाइंट और ट्रैक सर्किट में सुधार की जरूरत सामने आई है। कई सवाल खड़े हुए हैं। क्या हम अति आत्मविश्वास के साथ रेल दौड़ाने लगे हैं? क्या 120-130 किमी प्रति घंटा की गति से दो गाड़ियों को अगल-बगल की पटरियों पर विपरीत दिशा में दौड़ाने की तकनीकी व बुनियादी क्षमता हम हासिल कर चुके हैं? क्या स्टेशनों पर न रुकने की स्थिति में वहां गाड़ियों की गति को कम नहीं किया जा सकता? यात्रियों के भाग्य भरोसे रेलों को तेज दौड़ाने से पहले अपना पूरा इंतजाम देख लेना चाहिए। गति तभी तक अच्छी है, जब तक सुरक्षित है। ध्यान रहे, भारतीय रेलवे के मूल मंत्र में सुरक्षा सबसे पहले है।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

वृषभ सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

कर्क संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

वृश्चिक बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

कुम्भ प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

ऊर्जा कूटनीति व रामायण सर्किट पर सहमत प्रचंड

पुष्परंजन

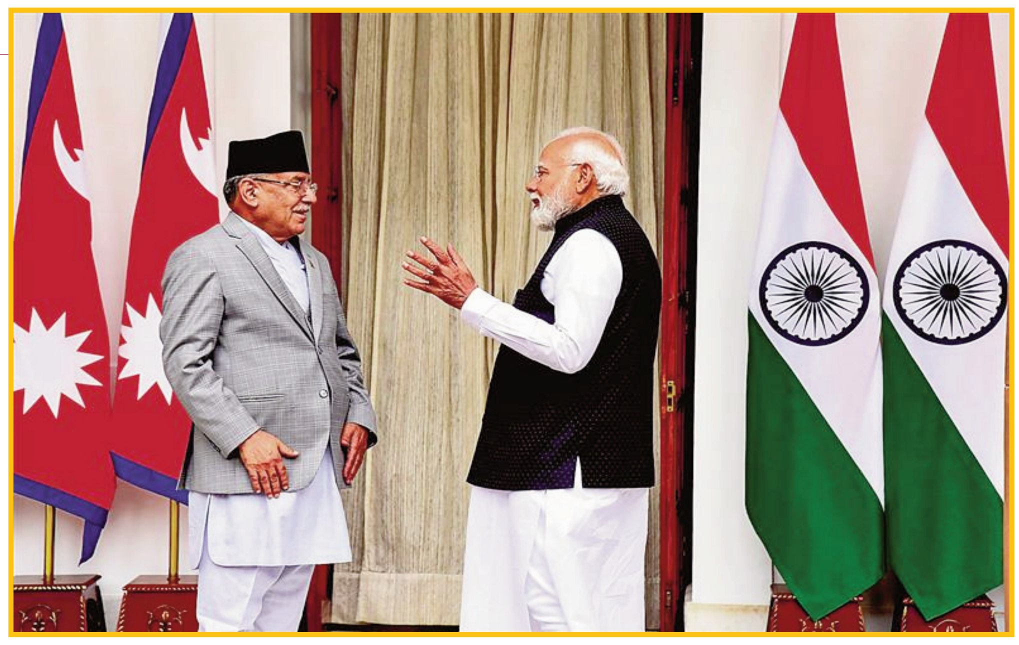

भारत नेपाल को कितनी बिजली निर्यात करता है, इसकी जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय ने 22 मार्च, 2022 को एक पीडीएफ के ज़रिये साझा की थी। पिछले साल तक भारत से 600 मेगावाट विद्युत नेपाल को भेजी जा रही थी, ताकि उसे ऊर्जा संकट से राहत मिल सके। 1 जून, 2023 को काठमांडो पोस्ट ने 'पावर शॉर्टेज कॉन्टीन्यूज़ एज़ जेनरेशन स्लंप्स' शीर्षक से ख़बर दी, जिससे जानकारी मिली कि नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) तराई के इलाक़ों में लगी फैक्टरियों को समय पर बिजली नहीं दे पा रहा है। उसका कारण जलस्तर का कम होना है। ख़बर में यह भी बताया कि भारत से जो बिजली नेपाल आयात कर रहा है, वो महंगी है। अब बताइये, जिस देश में बिजली का टोटा पड़ा हो, वो बांग्लादेश विद्युत निर्यात के लिए भारत से कॉरिडोर मांग रहा है। यह बात गले नहीं उतरती। एनईए के प्रवक्ता सुरेश भट्टराई बताते हैं कि नेपाल में कुल जलविद्युत उत्पादन 700 से 800 मेगावाट है। कोयला, डीज़ल और अक्षय ऊर्जा, सारा कुछ मिलाकर 1300 मेगावाट बिजली का उत्पादन नेपाल कर पा रहा है। तराई के औद्योगिक क्षेत्रों में इन दिनों छह घंटे की बिजली कटौती नेपाल विद्युत प्राधिकरण कर रहा है। एक दिलचस्प ख़बर काठमांडो पोस्ट ने ही 17 मई, 2023 को प्रकाशित की। नेपाल-बांग्लादेश ने सचिव स्तर पर ऊर्जा सहयोग के वास्ते पांचवीं बैठक में एक समझौते के तहत तय किया कि नेपाल, बांग्लादेश को 40 से 50 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा। भूपरिवेष्टित राष्ट्र नेपाल को सप्लाई कॉरिडोर देने के लिए नई दिल्ली ने पहले से सहमति दे दी थी। यह क्या अजीब नहीं लगता कि जिस देश में अपनी घरेलू ज़रूरतें पूरी करने के वास्ते बिजली नहीं है, वो एक तीसरे देश में विद्युत निर्यात करने के लिए अनुबंध कर रहा है? 'घर में नहीं है दाने, अम्मा चली भुनाने', वाली कहावत के हवाले से प्रचंड के आलोचक उन पर तंज़ कर सकते हैं, लेकिन उसका रास्ता लगता है प्रधानमंत्री मोदी ने निकाल लिया है। ऐसी परिकल्पना की गई है कि जीएमआर, टाटा पावर, इप्पान, एसजेवीएन लिमिटेड जैसी भारतीय कंपनियों के सहयोग से नेपाल में जल विद्युत उत्पादन की जितनी परियोजनाएं संपूर्ण होंगी, अगले दस वर्षों में ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर ही नहीं, दक्षिण एशिया का निर्यातक देश नेपाल हो जाएगा। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल में ऊर्जा, अधोसंरचना, हवाई मार्ग, अमलेखगंज से चितवन तक पेट्रोलियम पाइप लाइन, उर्वरक कारखाना जैसी परियोजनाओं की झड़ी लगा दी है। कट्टर कम्युनिस्ट नेता प्रचंड ऊर्जा कूटनीति के साथ-साथ रामायण सर्किट के लिए सहमत हो जाएं, बड़ी बात है। इससे संकेत मिलता है कि 2024 चुनाव को ध्यान में रखकर सब कुछ तय हुआ है, जिसका प्रभाव नेपाल से सीमा साझा करने वाले पांच भारतीय प्रदेशों पर पड़ेगा। दोनों नेताओं ने सीमा संबंधी विवादित विषयों की समीक्षा करने, और उसे आने वाले दिनों में सुलझा लेने की बात कहकर नेपाल में माहौल बना रहे विरोधियों का मुंह बंद करने का प्रयास किया है। प्रचंड के नई दिल्ली आने से पहले सीमा विवाद पर भी बहस शुरू हो गई थी। नेपाली पक्ष का बरसों से दावा रहा है कि कालापानी, लिपुलेख, लिंपियाधुरा में 372 वर्ग किलोमीटर, गंडक क्षेत्र स्थित सुस्ता में 145 वर्ग किलोमीटर और शेष 69 स्थानों में लगभग 89 वर्ग किलोमीटर पर अतिक्रमण किया गया है। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जब पहली बार नेपाल गये थे, इसका अहद किया गया था कि सीमा विवाद को स्थाई रूप से हम सुलझा लेंगे। इस 'भीष्म प्रतिज्ञा' के नौ वर्ष हो चुके हैं। हैदराबाद हाउस में दोनों नेताओं ने 'ईपीजी' (इमीनेंट पर्सन्स ग्रुप) की रिपोर्ट की चर्चा नहीं की। उभयपक्षीय विवादों को सुलझाने के वास्ते 2016 में केपी शर्मा ओली और नरेंद्र मोदी भारत-नेपाल के प्रसिद्ध लोगों का आठ सदस्यीय समूह बनाने पर सहमत हुए थे, जिसका नाम रखा गया, 'ईपीजी' (इमीनेंट पर्सन्स ग्रुप)। नेपाल की ओर से इस समूह के संयोजक हैं दिल्ली में नेपाल के राजदूत रह चुके एंबेसडर भेख बहादुर थापा, और भारत में भगत सिंह कोश्यारी इसका नेतृत्व कर रहे थे। 'ईपीजी' को सुझाव देना था कि दोनों देशों के बीच नागरिकों की आवाजाही, 1950 संधि के विवादित अनुच्छेदों को संशोधित करने का रास्ता क्या है। 'ईपीजी' की रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई है। रिपोर्ट प्रधानमंत्रियों को सौंपी गई अथवा नहीं? यह भी अंधेरे में है। मगर, समूह के कुछ सदस्य 'ऑफ द रिकार्ड' बातचीत में मानते हैं कि तीन मुख्य बिन्दुओं पर सहमति है। पहला, भारत-नेपाल संधि-1950 में बदलाव हो। दूसरा, दोनों देशों की आवाजाही में लोगों के पहचान पत्र दिखाना अनिवार्य किये जाएं। तीसरा, नेपाल में काम करने के वास्ते वर्क परमिट की व्यवस्था लागू हो। 40 साल पहले नेपाल के भूगोलविद और योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. हर्क बहादुर गुरूंग यह निष्कर्ष दे गये थे कि 1950 संधि की धाराएं बदली जाएं। पासपोर्ट और वर्क परमिट लागू हो। इसी लाइन पर नेपाली कम्युनिस्ट भी चाहते थे कि 1950 संधि के अनुच्छेद 2 (जिसमें क्षेत्रीय अखंडता की चर्चा है), अनुच्छेद 5 का रद्दोबदल कर नेपाल हथियारों का आयात करे। वो यह भी चाहते थे कि अनुच्छेद 6 से आर्थिक बाध्यताएं हटे। अनुच्छेद 7 को संशोधित करें जिससे भारतीय मूल के लोगों को वर्क परमिट के आधार पर नेपाल में काम कर सकने के लिए बाध्य कर सकें। गुरूंग कमीशन की रिपोर्ट लगभग वैसी ही थी, जैसा नेपाल के धुर राष्ट्रवादी और वहां के कम्युनिस्ट चाहते थे। यदि उसी लाइन पर दोनों मुल्कों के 'ईपीजी', ने रिपोर्ट दी है, तो उसे लागू कराने का मतलब होगा, तराई के दोनों तरफ हंगामा मचना। 2024 चुनाव के साल भर पहले प्रधानमंत्री मोदी इस तरह का जोखिम लेना नहीं चाहेंगे।

हैदराबाद हाउस के साझा वक्तव्य में नेपाल में अग्निपथ योजना जैसे विवादित विषय को भी दूर रखने का प्रयास दोनों नेताओं ने किया है। इस वक्त 34 हजार नेपाली युवा भारतीय सेना की गोरखा रेजिमेंट में तैनात हैं। नौ माह पहले अग्निपथ योजना के तहत 1300 युवाओं की भर्ती की जानी थी। मगर, नेपाल में सवाल खड़ा हो गया कि 4 साल के बाद इनका क्या होगा? गोरखा रिक्रूटमेंट डिपो गोरखपुर, नेपाल के बुटवल और धरान में भर्ती रैली की तारीख की जो घोषणा की थी, नेपाल सरकार की ओर से कोई जवाब न मिलने के कारण रैली टालनी पड़ी थी। सबकी आंखें हैदराबाद हाउस पर लगी थीं कि अग्निपथ योजना के तहत भर्ती वाले विषय पर दोनों राष्ट्र प्रमुख क्या निर्णय लेते हैं। प्रचंड खुद नहीं चाहते थे कि कोई किरकिरी हो।

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

विकास की भेंट चढ़ रही हैं नदियां

(लेखिका-निमिषा सिंह)

21वीं सदी संकट की शताब्दी है। दुनिया में लगातार बढ़ रहे जल संकट से निश्चित तौर पर मानवता खतरे में है। भारत जहां जल में जगदीश मानने की परंपरा है आज उसी देश में जल स्रोत सबसे ज्यादा प्रदूषित है। आने वाले समय में सभी के लिए जल की निर्बाध उपलब्धता निश्चित तौर पर एक बड़ी चुनौती है। विनाशकारी विकास ,कॉर्पोरेट लूट और दमन के खिलाफ, नदियों जल स्त्रोतों प्राकृतिक संसाधनों और अपने अधिकारों के संघर्षरत समुदायों को मिलकर एक साथ आवाज उठाना समय की मांग बन चुकी है।

एक तरफ तो विकास के नाम पर हम नदी का सारा पानी निकालते रहे ।जमीन की कीमत के नाम पर तालाब मिटाते रहे। शहरों एवं खेतों की गंदगी, कल कारखानों से निकलते जहर को नदी में मिलाते रहे। प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुन दोहन करते रहे और फिर हम सोचे कि कोई नई योजना बनाकर नदी को साफ कर लेंगे तो ऐसा कतई संभव नहीं क्योंकि नदियों को हम तभी साफ कर पाएंगे जब नदियां बचेगी। ज्यादातर नदियां तो अब गंदे नाले के रूप में परिवर्तित हो रही है। इसका उदाहरण है नर्मदा। भरूच में जाकर देखिए रसायन उद्योग विकास के नाम पर नर्मदा को किस तरह बर्बाद किया जा रहा है।

हम मनुष्यों ने दूसरों की जमीनों पर कब्जा करने का हुनर सीख लिया है ।अब हमारी नजर नदियों के डूब क्षेत्र पर है । नदियों का आंगन यानी डूब क्षेत्र पर सरकारी ,गैर सरकारी, धार्मिक या सार्वजनिक अतिक्रमण यदि जारी रहा तो स्वाभाविक है छोटी सहायक नदियों का दम घुटेगा और गंगा और यमुना जैसी बड़ी नदियों का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। इस बात को अनदेखा नहीं किया जा सकता कि बरसात में जब नदियां डूब क्षेत्र में अपना फैलाव हासिल करती है तो वह भूजल को भी रिचार्ज करती है।

बढ़ती आबादी और विकास के दबाव के कारण हमारी बारहमासी नदियां मौसमी बन रही है। कई छोटी नदियां तो पहले ही गायब हो चुकी है। गंगा की बात करें तो गंगा दुनिया की उन पांच नदियों में से है जिसका अस्तित्व खतरे में है। गोदावरी पिछले साल कई जगहों पर सूख गई थी। कावेरी अपना 40 फ़ीसदी जल प्रवाह खो चुकी है. कृष्णा और नर्मदा में पानी लगभग 60 फ़ीसदी कम हो चुका है। केरल में भरत सूजा, कर्नाटक में कामिनी, तमिलनाडु में पलार और बैगाई, उड़ीसा में मूसल, मध्यप्रदेश में क्षिप्रा जैसी छोटी नदिया तो गायब ही हो गई है ।

1 -2 अप्रैल 2023 को बांद्राभान नर्मदा पुरम में नदी घाटी मंच और जन आंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि 1 से 7 जून 2023 तक नदी बचाओ पर्यावरण बचाओ संघर्ष सप्ताह का आयोजन देश भर में किया जाएगा। इसी क्रम में बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ से जुड़े राजकुमार सिन्हा ने अपने विचार हमारे समक्ष रखे। राजकुमार सिन्हा जी का मानना है कि नदियों का प्रशासकीय प्रबंधन की जगह पर्यावरणीय प्रबंधन की दृष्टि से निगरानी तंत्र विकसित करना चाहिए। नदी किनारे के गांव में जैविक खेती करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाए। नदी को प्रदूषित करने वाले कल कारखाना हॉस्पिटल,गैराज आदि पर टैक्स लगाया जाए और उस टैक्स राशि को नदी में मिलने वाली प्रदूषित पानी के ट्रीटमेंट प्लांट में खर्च किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 1985 में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय बनने के 37 वर्षों बाद भी नदियों पर अनुसंधान के लिए एक संस्थान तक तैयार नहीं किया गया है इसलिए नदियों पर अनुसंधान के लिए एक संस्थान बनाया जाए साथ ही नदी के संरक्षण के लिए कानून बनाया जाना चाहिए जिसमें नदी जंगल और जमीन को एक साथ रखकर विचार किया जाना चाहिए ।अवैध रेत खनन भी अब एक गंभीर निश्चित तौर पर समस्या बन चुका है ।अवैध रेत खनन जल चक्र तोड़कर नदी के जल प्रवाह में बड़ी गिरावट लाता है ।चूंकि पिछले कुछ सालों से रेत की मांग और खपत में काफी बढ़त देखी गई है। आवश्यकता है कि रेत को भी प्रमुख खनिज में शामिल कर सख्त पर्यावरणीय अनुमति का प्रावधान किया जाए।

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि सौंदर्यीकरण के नाम पर नदियों, जलस्रोतों का प्राकृतिक स्वरूप बदला जा रहा है। उन्हें और अधिक बंधन में किया जा रहा है। कंक्रीट से बांधा जाता है जिससे नदियों के निर्मलता, पवित्रता, शुद्धिकरण की प्रक्रिया प्रभावित होती है। प्राकृतिक सौंदर्य नष्ट करने पर बनावटी सजावटी सामान से धंधा, व्यापार, ठेकेदारी को बल मिलता है। जहां जहां ऐसे प्रयोग किए गए है, उनसे सबक नहीं सीखा जा रहा है। जलस्रोतों की आवश्यकता, जरुरत को ध्यान में नहीं रखा जा रहा है। पेड़ काटकर झाड़ियों का साम्राज्य बनाया जा रहा है। नदिया थर्मामीटर की तरह काम करती हैं जो पृथ्वी की सतह की स्थिति से अवगत कराती हैं। हम जो भी गतिविधियां करते हैं उसका संवेदनशील सूचक है नदिया फिर भी सरकार और नागरिकों द्वारा इसकी लगातार उपेक्षा जारी है और समस्या तब उत्पन्न होती है जब नदी के जल का उपयोग स्थानीय प्रशासन की तरफ से जागीर के तौर पर किया जाने लगता है

आंकड़े बताते हैं कि जल की हमारी 65 फ़ीसदी जरूरत नदियों से पूरी होती है वहीं अगर हम मौजूदा हालात की बात करें तो 3 में से 2 शहर रोज पानी की गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं । बाढ़ सूखा और नदियों के मौसमी होने की वजह से देश में फसल बर्बादी की घटनाएं भी बढ़ रही है।

एक समय था जब नदियों के जल को पीने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। आज पूरे देश में एक भी नदी ऐसी नहीं है जिसका जल पीने योग्य हो। जरूरत है कि नदियों को अपना प्राकृतिक मनमोहक स्वरूप प्रदान किया जाए। खादर कंक्रीट से मुक्त किया जाए, पेड़ पौधों से युक्त किया जाए। घाट, आरती, पूजा पाठ, सौंदर्यीकरण से पहले अविरलता, निर्मलता मिले। नदी में अपने पानी का बहाव हो, प्रवाह हो। नदियों के डूब क्षेत्र को कब्जे से मुक्त किया जाए। रीवर और सीवर को अलग-अलग किया जाए। मौजूदा समय में विकास की अवधारणा को बदलने और चुनौती स्वीकार करने की जरूरत है। करीब-करीब समूचे यूरोप ने नदियों को आजादी देने का फैसला कर लिया है हमें इस से सीख लेने की जरूरत है कि नदियों को बांधने की बजाय मुक्त किया जाए। भारत को अगर पानीदार रहना है तो जल को सहेजना पड़ेगा। नदियों पर जो संकट है उसके लिए हम सबको साथ आना होगा,साथ मिलकर काम करना होगा. स्वयं समझना होगा, सबको समझाना भी होगा। पानी किसी एक का नहीं है सबका साझा है इसलिए प्रयास भी साझा होना चाहिए।

बालासोर रेल दुर्घटना की लीपापोती से निराशा

(लेखक - सनत जैन)

बालासोर की रेल दुर्घटना से सबक लेने की जरूरत थी। सबक लेने के स्थान पर जिस तरह से इस दुर्घटना को लेकर लीपापोती के प्रयास शुरू हुए हैं ।उससे आम जनमानस में गुस्सा और निराशा देखने को मिल रही है। बालासोर की रेल दुर्घटना में 289 लोगों की अधिकृत मौत का आंकड़ा जारी हुआ था। मृतकों की संख्या इससे ज्यादा बताई जा रही है। 1100 से ज्यादा यात्रियों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती किया गया है। भारतीय रेलवे ने शुरुआती दौर में सुरक्षा की कमी का संकेत भी दिया था। रेलवे मंत्रालय द्वारा यह भी कहा गया ,कि रेलवे को पर्याप्त बजट वर्ष 2022 में दिया गया था। जिस तरह की दुर्घटना हुई है, उससे सबक लेने और आगे दुर्घटनाएं ना हो। इसको लेकर जिम्मेदारी तय करने और कार्यप्रणाली को सुधारने के लिए ठोस प्रयास रेलवे को करने चाहिए थे। दुर्घटना के कारणों को सुधारने के स्थान पर,पूर्व रेल मंत्री ममता बनर्जी, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव और मोदी सरकार के बीच में तुलनात्मक अध्ययन के जरिए ,वर्तमान रेल मंत्री और वर्तमान सरकार अपना बचाव करती हुई नजर आ रही है। सरकार दावा कर रही है ,कि यूपीए सरकार के समय में ज्यादा हादसे हुए थे ।मोदी सरकार के समय पर कम हादसे हुए हैं ।पिछले 9 वर्षों में रेलवे द्वारा बड़े-बड़े दावे किए गए। 120 किलोमीटर से अधिक रफ्तार की ट्रेनें चलाई जा रही हैं ।ट्रेन -पटरी को बनाने और उनमें सुधार के लिए अरबों रुपए खर्च किए गए हैं ।तकनीकी सुधार और इलेक्ट्रिकल सिस्टम में अरबों रुपए रेलवे ने खर्च किए हैं। 9 साल के बाद अपने पूर्ववर्ती रेल मंत्रियों के समय हुई, दुर्घटनाओं से बचाने का जो प्रयास वर्तमान रेल मंत्री द्वारा किया जा रहा है। उसकी सभी और निंदा हो रही है। रेल मंत्रालय ने अप्रैल माह में सुरक्षा समीक्षा बैठक का आयोजन किया था। 2023 में 48 दिन दुर्घटनाएं हुई थी। जो पिछले वर्ष 2022 की तुलना में अधिक थीं। समीक्षा बैठक में रखरखाव और पॉइंट मेन की संख्या में कमी, कई रेलवे जोन में चालक दल के सदस्यों की संख्या में भारी कमी, रेल पायलटों से 12 से 18 घंटे तक निरंतर ट्रेन चलवाने तथा रेलवे में कर्मचारियों की भारी कमी को लेकर चिंता जताई गई थी। समीक्षा बैठक में यह जानकारी भी दी गई थी। 12 घंटे से ज्यादा किसी भी पायलट को ट्रेन चलाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। 17 मई को ऐसी ही एक बैठक रेलवे बोर्ड में हुई थी। जिसमें 36 फ़ीसदी कर्मचारियों को 1 दिन में 12 घंटे से अधिक काम कराए जाने की जानकारी सामने आई थी। निश्चित रूप से रेलवे के जो सुरक्षा नियम है। उनका पालन नहीं हो रहा था। इसका मुख्य कारण कर्मचारियों और अधिकारियों की कमी थी। इसकी जानकारी रेलवे के सभी स्तर के अधिकारियों की थी। उसके बाद भी लगातार लापरवाही बरती जा रही थी। रेलवे बोर्ड ने कवच तकनीकी को काफी सुरक्षित बताया जा रहा था। इसको लेकर भी समीक्षा बैठक में संदेह सामने आते रहे हैं ।रेलवे ने ट्रेनों की संख्या बढ़ाई, तेज गति की ट्रेनें बड़ी तेजी के साथ रेल की पटरियों पर दौड़ रही हैं। चार लाख से ज्यादा कर्मचारियों के पद रेलवे में खाली पड़े हुए हैं। पिछले कई वर्षों से भर्ती नहीं हो रही है। कर्मचारी रिटायर होते जा रहे हैं। रेलवे का काम बढ़ता जा रहा है। लेकिन कर्मचारियों की संख्या कम होती जा रही है। रेलवे का सुरक्षा की ओर ध्यान कम, कमाई की ओर ज्यादा है। जिसके कारण दुर्घटनाओं का रुक पाना संभव ही नहीं है। रेलवे खुद अपनी रिपोर्ट का अध्ययन कर ले,और अपनी गलती का एहसास करते हुए भविष्य में इस तरह की गलती ना हो। जो खामियां हैं ,उन्हें तुरंत जल्द से जल्द पूरा किया जाए। इस बात पर ध्यान होना चाहिए था। लेकिन जिस तरह से सरकार और रेल मंत्रालय 2014 के पहले की रेल दुर्घटनाओं की आड़ में छिपकर अपने आप को बचाने का प्रयास कर रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार ने 2023 में रेलवे के लिए 2.40लाख करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया है. सरकार दावा कर रही है, कि पिछले 9 वर्षों में यूपीए सरकार के समय से यह बजट 9 गुना ज्यादा है। 2014 के बाद से ही मोदी सरकार नई रेल लाइनें और गेज परिवर्तन का कार्य प्राथमिकता के साथ कर रही है। रेलवे को बजट भी खूब दिया जा रहा है। उसके बाद भी खाली पदों का नहीं भरा जाना, रेलवे में क्या चल रहा है? यह बताने के लिए पर्याप्त है। कोरोना के बाद पूर्व में चल रही बहुत सारी ट्रेनें अभी भी बंद है। वंदे मातरम, स्पेशल ट्रेन चलाकर रेलवे यात्रियों से भारी-भरकम राशि रेलवे वसूल कर रहा है। ट्रेनों की संख्या कम होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जो ट्रेनें चल रही है, वह अपनी क्षमता की 100 फ़ीसदी से ज्यादा यात्रियों को ढो रही हैं। अभी भी नियमित ट्रेनें पूरी तरह से रेलवे शुरू नहीं कर पाई हैं।

एयरलाइन इंडिगो 500 विमान खरीदेगी

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो 500 विमान खरीदने पर विचार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक यह सौदा 50 अरब डॉलर में हो सकता है। फरवरी में एयर इंडिया ने करीब 470 विमान खरीदने की घोषणा की थी। इस तरह इंडिगो का सौदा एयर इंडिया से बड़ा है। एयर इंडिया अब टाटा ग्रुप का हिस्सा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडिगो विमान बनाने वाली यूरोप की कंपनी एयरबस से नैरो बॉडी के करीब 500 विमान खरीदेगी। ये ए-320 फैमिली के विमान होंगे। एयरबस की हाल में पब्लिश्ड लिस्ट के मुताबिक यह सौदा 50 अरब डॉलर का हो सकता है लेकिन एयरलाइन इंडस्ट्री में विमानों की बल्क खरीद पर भारी डिस्काउंट मिलता है। इंडिगो की इस डील के लिए एयरबस और बोइंग दोनों से बात चल रही थी। अगर यह सौदा हो जाता है तो यह एविएशन इतिहास का सबसे बड़ा सौदा होगा। सूत्रों के मुताबिक एयरबस और अमेरिकी कंपनी बोइंग इंडिगो को 25 विमान बेचने के लिए अलग से बातचीत कर रहे हैं। ये विमान वाइड-बॉडी वाले होंगे। एयरबस ने ए330नियो और बोइंग ने 787 विमान ऑफर किए हैं। इंस्ताबुल में इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की सालाना बैठक में हिस्सा ले रहे इंडिगो के चीफ एग्जीक्यूटिव पीटर एल्बर्स ने इस पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। एयरबस और बोइंग ने भी इस पर टिप्पणी करने से मना कर दिया। इंडिगो की घरेलू मार्केट में 56 फीसदी हिस्सेदारी है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया 18 पैसे की गिरावट के साथ ही 82.65 पर बंद हुआ। विदेश में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच रुपया आज शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गिरावट के साथ ही 82.53 रुपए प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.47 पर खुला और फिर पिछले बंद भाव के मुकाबले 14 पैसे की गिरावट के साथ 82.53 पर आ गया। इससे पहले शुक्रवार को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 82.39 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर सूचकांक में तेजी के कारण ही रुपया कमजोर खुला। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी बढ़कर 104.10 पर पहुंच गया।

क्रूड ऑयल को लेकर सऊदी अरब का बड़ा फैसला, तेल उत्पादन में और कमी करेगा

- सऊदी अरब साल 2024 तक प्रति दिन 500के बैरल कटौती को आगे बढ़ाएगा

मुंबई । सऊदी अरब ने क्रूड ऑयल को लेकर बड़ा फैसला किया है। सऊदी अरब का कहना है कि दुनिया भर में फैल रही मंदी की आशंका के बावजूद तेल उत्पादन में प्रति दिन दस लाख बैरल की और कमी करेगा। तेल की कीमतों को बढ़ाने के लिए उत्पादन में कमी का ये फैसला लिया गया है। सऊदी अरब ने ये घोषणा क्रूड एक्सपोर्ट देशों के 13 सदस्यीय संगठन (ओपेक) और रूस के नेतृत्व में इसके 10 भागीदारों की बैठक के बाद की है। विशेषज्ञ की मानें तो ओपेक से हित अन्य देशों की ओर से क्रूड उत्पादन को लेकर मौजूदा नीति बनाए रखने की उम्मीद थी। लेकिन अब सऊदी की तरफ से उत्पादन में कटौती का ये फैसला आना सभी के लिए चौकाने वाला है। इस फैसले के बाद क्रूड की कीमतों में तेजी आई है। ऐसे में भारत में एक और फिर से सस्ते पेट्रोल-डीज़ल की उम्मीद को झटका लगा है। सऊदी अरब ने फैसला किया है कि वो साल 2024 तक प्रति दिन 500के बैरल कटौती को आगे बढ़ाएगा। सऊदी अरब प्रतिदिन 10 लाख बैरल अतिरिक्त कटौती करेगा। वहीं इराक 2024 तक प्रति दिन 211के बैरल कटौती को आगे बढ़ाएगा। रूस 2024 तक स्वैच्छिक उत्पादन कटौती को आगे बढ़ाएगा। ओपेक प्रतिदिन 40.5 मिलियन बैरल के नए उत्पादन लक्ष्य से सहमत है। इससे पहले अप्रैल में, ओपेक के कई सदस्य स्वेच्छा से उत्पादन में एक मिलियन बीपीडी से अधिक की कटौती करने पर सहमत हुए थे। वहीं एक और कटौती भारत जैसे क्रूड आयाते करने वाले देशों के लिए परेशानी बढ़ाने वाली साबित हो सकती है क्योंकि सस्ते क्रूड के बाद भारत में उम्मीद थी कि पेट्रोल-डीज़ल की कीमतों में कटौती की जा सकेगी। खबर के अनुसार संयुक्त अरब अमीरात अपने उत्पादन में कटौती को मापने के तरीके में बदलाव पर जोर दे रहा था। अंगोला और नाइजीरिया सहित कई ओपेक देश, जो पहले से ही अधिकतम क्षमता पर लग रहे हैं। अपने कोटा को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

महंगाई घटने की वजह से ब्याज दरों को यथावत रख सकता है आरबीआई

मुंबई । यदि महंगाई घटती है तो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अपनी ब्याज दरों को ये थावत रख सकती है। बाजार के जानकार इस तरह के कयास लगा रहे हैं। हालों कि अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति में आई गिरावट और आगे इसमें और राहत मिलने की उम्मीद के बीच आठ जून को नीतिगत दर रेपो को 6.5 प्रतिशत पर यथावत रख सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पूर्व में नीतिगत मोर्चे पर की गई कार्रवाई के प्रभावी रहने का संकेत होगा। जानकारी के अनुसार रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास की अगुवाई वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक छह से आठ जून तक होनी है। गौरतलब है` कि अप्रैल में पिछली एमपीसी बैठक में आरबीआई ने ब्याज दर वृद्धि को रोक दिया था और रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा था। इससे पहले महंगाई पर लगाम लगाने के लिए मई, 2022 के बाद से लगातार वृद्धि करते हुए नीतिगत दर रेपो में 2.5 प्रतिशत वृद्धि की गई थी। एमपीसी की बैठक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति के अप्रैल में 18 महीनों के निचले स्तर 4.7 प्रतिशत पर आने के बाद हो रही है। आरबीआई गवर्नर ने हाल ही में संकेत दिए थे कि मई में यह आंकड़ा अप्रैल से भी नीचे जा सकता है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि आरबीआई की ब्याज दरों पर विराम लगाने और नीतिगत दर रेपो के 6.5 प्रतिशत पर ही रहने की बहुत ज्यादा संभावना है। मई के लिए सीपीआई की घोषणा 12 जून को होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि आरबीआई की मानसून की प्रगति पर भी नजर है और अल नीनो खरीफ की फसल पर दुष्प्रभाव डाल सकता है, जिससे कीमतों पर भी प्रभाव पड़ सकता है। बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश कर्नाटक ने बताया, जहां तक बैंकरों की बात है, मैं सिर्फ यही कहूंगा कि रिजर्व बैंक की नीतिगत दर रेपो पहले ही 2.5 प्रतिशत बढ़ चुकी है।

गौतम अडानी अमीरों की सूची में 18वें से 19वें स्थान पर खिसके

- अडानी की नेटवर्थ में 662 लाख डॉलर की गिरावट

मुंबई । अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी अब अमीरों की सूची में कुछ और नीचे चले गए हैं और उनसे एशिया के दूसरे सबसे रईस शख्स का तमगा छिन गया है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स में गौतम अडानी अब 18वें स्थान से 19वें स्थान पर खिसक गए हैं और चीन के अरबपति झोंग शैनशैन ने उन्हें पीछे कर दिया है। चीनी अरबपति झोंग शैनशैन 62.4 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ विश्व के टॉप के धनवानों की सूची में 18वें स्थान पर आ गए हैं और इसके साथ ही उन्होंने बीते हफ्ते में 1.18 अरब डॉलर की संपत्ति अपने नाम और जोड़ ली है। वहीं भारतीय अरबपति गौतम अडानी की नेटवर्थ में इस दौरान 662 लाख डॉलर की गिरावट आई है जिसके चलते वो 18वें स्थान से फिसलकर 19वें स्थान पर चले गए हैं। इस समय एशिया के तीन अरबपति हैं और इनमें सबसे पहला नाम मुकेश अंबानी का आता है जो 13वें स्थान पर हैं। उनकी कुल नेटवर्थ 84.6 अरब डॉलर पर है और बीते हफ्ते उनकी भी संपत्ति में गिरावट आई है। मुकेश अंबानी की दौलत 166 लाख डॉलर घट गई है। इस तरह देखा जाए तो ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स में मुकेश अंबानी 13वें स्थान पर, झोंग शैनशैन 18वें स्थान पर और गौतम अडानी 19वें स्थान पर हैं और ये तीन अरबपति दुनिया के सबसे अमीरों की लिस्ट में शामिल हैं। हालांकि एशियाई अमीरों की बात करें तो रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एशिया के नंबर वन रईस के स्थान पर काबिज हैं। एलन मस्क 199 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे अमीर शख्स बने हुए हैं। इसके बाद दूसरे स्थान पर बर्नार्ड अरनॉल्ट, तीसरे स्थान पर जेफ बेजोस, चौथे स्थान पर बिल गेट्स, पांचवे स्थान पर लैरी एलिसन, छठे स्थान पर स्टीव बाल्मर, सातवें पर वॉरेन बफे, आठवें पर लैरी पेज, नौवें पर सर्गी ब्रिन और दसवें स्थान पर मार्क जुकरबर्ग हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 240 , निफ्टी 60 अंक उछला

मुम्बई ।

शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीदारी) हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 240.36 अंक करीब 0.38 फीसदी बढ़कर 62,787.47 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 62,943.20 तक ऊपर जाने के बाद 62,751.72 तक फिसला था। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (निफ्टी) भी 59.75 अंक तकरीबन 0.32 फीसदी उछलने के बाद अंत में 18,593.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 18,640.15 के उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद 18,582.80 तक फिसला। कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स के शेयरों में से 16 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर करीब 3.81 फीसदी तक चढ़े। इसके अलावा एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, लार्सन एंड टूब्रो और टाटा स्टील सेंसेक्स के शेयर भी सबसे ज्यादा लाभ वाले शेयरों में शामिल रहे।

वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के 14 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। टेक महिंद्रा के शेयर करीब 1.16 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा एशियन पेंट्स, नेस्ले इंडिया, एचयूएल और कोटक बैंक के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ शुरु हुआ। सेंसेक्स 344.82 अंक की बढ़त के साथ 62,891.93 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 75.15 अंक की बढ़त के साथ 18,609.25 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। बेंचमार्क इंडेक्स की शुरुआत आज प्री-ओपनिंग में मजबूत होती नजर आई है। सेंसेक्स 159.08 अंक की बढ़त के साथ 62,706.19 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 66.60 अंक की बढ़त के साथ 18,600.70 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। पिछले कारोबारी सत्र शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुए।

भारत-ब्रिटेन व्यापार वार्ता, यात्री वाहनों के शुल्क पर विचार

नई दिल्ली ।

भारत और ब्रिटेन प्रस्तावित व्यापार समझौते के तहत जटिल मुद्दों को निपटाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत सरकार संभलकर कदम आगे बढ़ा रही है। वह ब्रिटिश कंपनियों को अपने यात्री वाहन बाजार में आने देने के लिए तैयार है मगर समझौता होने के बाद एक सीमित संख्या में वाहन इस बाजार में बेचने की ही अनुमति होगी। भारत ने शुल्क दर कोटा (टीआरक्यू) के हिसाब से भारतीय बाजार में प्रवेश की इजाजत का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत रियायती आयात शुल्क पर 1 लाख यात्री वाहनों का आयात करने की अनुमति होगी। मामले की जानकारी रखने वाले दो व्यक्तियों ने बताया कि इन वाहनों के लिए आयात शुल्क (टीआरक्यू के तहत) पांच साल में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया जाएगा। हालांकि ये लोग सीधे तौर पर बातचीत में शामिल नहीं थे। वित्त वर्ष 2022-23 में देश में 38.9 लाख यात्री वाहन बिके थे। इस हिसाब से ब्रिटिश कंपनियों के वाहनों के लिए तय सीमा 1 फीसदी से भी कम रहेगी। इससे स्थानीय कार विनिर्माताओं की यह चिंता दूर हो सकती है कि यदि व्यापार समझौता लागू हुआ तो आयात में अचानक वृद्धि नहीं होगी। एक व्यक्ति ने कहा कि टीआरक्यू के अलावा बाकी आयात के लिए शुल्क धीरे-धीरे खत्म कर दिया जाएगा। मगर यह देखना बाकी है कि ब्रिटेन इस प्रस्ताव को कबूल करता है या नहीं क्योंकि वार्ता अभी पूरी नहीं हुई है। 10वें दौर की वार्ता 5 से 9 जून तक नई दिल्ली में होनी है। भारत को उन देशों में गिना जाता है, जहां वाहनों पर अधिक शुल्क लगाया जाता है। पूरी तरह तैयार (सीबीयू) आयातित वाहनों पर 70 से 100 फीसदी सीमा शुल्क लगता है।

देश के सर्विस सेक्टर में हल्की गिरावट

- मई की सर्विस पीएमआई गिरकर 61.2 पहुंची

नई दिल्ली ।

देश के सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में गिरावट देखी गई। मई में सर्विसेज पीएमआई घटकर 61.2 के स्तर पर आ गया है जो अप्रैल में 62 पर था। इसके अलावा मई का कंपोजिट पीएमआई महीने दर महीने आधार पर बिना किसी बदलाव के 61.6 पर ही स्थिर रहा है। अप्रैल महीने में भी कंपोजिट पीएमआई 61.6 पर ही था। एसएंडपी ग्लोबल ने 5 जून को यह आंकड़े जारी किए है। गौरतलब है कि भारत की सर्विसेज लगातार 22 महीने 50 के ऊपर रही है। गौरतलब है कि मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई की 50 से ऊपर की रीडिंग मैन्युफैक्चरिंग गतिविधि में विस्तार का संकेत देती है। जबकि 50 से नीचे की रीडिंग मैन्युफैक्चरिंग गतिविधि में संकुचन का संकेत होती है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस का कहना है कि महंगाई का दबाव लगातार सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए एक चुनौती बना हुआ है। खाद्य उत्पादन की लागतों, इनपुट, श्रम और परिवहन की लगातार बढ़ती कीमतों का असर सर्विस सेक्टर की गतिविधियों पर देखा जा रहा है। पीएमआई का यह सर्वे 400 सर्विस कंपनियों के आंकड़ों पर आधारित है। इसमें नॉन रिटेल कंज्यूमर सर्विसेस, ट्रांसपोर्ट, इंफोर्मेशन, कम्यूनिकेशन, फाइनेंस, इंश्योरेंस, रियल एस्टेट और बिजनेस सर्विसेस से संबंधित कंपनियां शामिल है।

आधार को पैन कार्ड के साथ लिंक करने की अंतिम तिथि 30 जून

नई दिल्ली ।

जून में ऐसे कई जरूरी काम हैं, जिन्हें 30 जून तक निपटाना होगा। ऐसा करने से चूकने पर आपको बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इन कामों को को निपटाने में देरी आपका वित्तीय नुकसान भी करा सकती है। इनमें आधार कार्ड को पैन कार्ड के साथ लिंक करना, अपने आधार कार्ड को फ्री में अपडेट करने के अलावा ज्यादा पेंशन का विकल्प चुनना शामिल हैं। 30 जून की समयसीमा में जहां आपको आधार कार्ड से जुड़े अपने कामों को निपटाना जरूरी है। आधार पैन लिंक करना और एडवांस टैक्स का पेमेंट तक ऐसे काम है, जिन्हें करने से चूकने पर आपकी जेब पर असर पड़ सकता है। इसके अलावा ज्यादा पेंशन चुनने के लिए भी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की ओर से कई बार ओ खिरी तारीख बढ़ाई गई है। आधार कार्ड को पैन कार्ड के साथ लिंक करने की अंतिम तिथि 30 जून 2023 है। आयकर विभाग द्वारा इस काम को अनिवार्य किया गया है। ऐसा न करने पर आपका पैन कार्ड किसी काम का नहीं रहेगा। इनवैलिड पैन कार्ड का किसी भी काम में इस्तेमाल करने पर आपको 10,000 रुपए का जुर्माना भी देना पड़ सकता है। इस महीने निपटाए जाने वाले जरूरी कामों की लिस्ट में ईपीएफ सब्सक्राइबर्स से जुड़ा बेहद अहम काम शामिल है। दरअसल, ज्यादा पेंशन के लिए आवेदन करने के लिए ईपीएफओ की ओर से 26 जून 2023 की ओ खिरी तारीख निर्धारित की गई है। पहले इस काम को करने के लिए 3 मई की तारीख तय की गई थी। ऐसे लोगों के लिए आपके लिए एडवांस टैक्स पेमेंट जरूरी है, जिसे करना आवश्यक है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा करने से चूकता है तो उसे पहले तीन किस्तों पर 3 फीसदी और आखिरी किस्त पर 1 फीसदी के हिसाब से कुल एडवांस टैक्स की राशि पर ब्याज देना होगा। एडवांस टैक्स पेमेंट 4 किश्तों के तहत किया जाना है, जिसकी पहली किश्त का भुगतान करने की आखिरी तारीख 15 जून 2023 है।

अक्टूबर में प्रोडक्शन में एंट्री करेगा एप्पल का एआर हेडसेट

- अगले हफ्ते एआर हेडसेट का किया जाएगा अनावरण

सैन फ्रांसिस्को ।

इलेक्ट्रानिक्स प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी एप्पल का अपकमिंग ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) मिक्स रियलिटी (एमआर) हेडसेट कथित तौर पर इस साल अक्टूबर में बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन में एंट्री करेगा। एक शोध नोट में कहा, जब हम उम्मीद करते हैं कि अगले हफ्ते एआर/वीआर हेडसेट का अनावरण किया जाएगा, हमारी सप्लाई चेन की जांच से पता चलता है कि बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन अक्टूबर 2023 तक शुरू नहीं होगा। सामान्य उपलब्धता दिसंबर की छुट्टियों से पहले होने की संभावना है। अगले हफ्ते वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस (डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी) में टेक दिग्गज को अभी भी हेडसेट पेश करने और डेवलपर्स को इसके लिए ऐप बनाने के लिए टूल प्रदान करने का अनुमान है। वुडरिंग के मुताबिक, आईफोन बनाने वाली कंपनी की सप्लाई चेन इस साल सिर्फ 3,00,000 से 5,00,000 हेडसेट्स ही असेंबल करने की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके अलावा, उन्होंने जिक्र किया कि आने वाले एमआर हेडसेट की शुरुआती कीमत करीब 3,000 डॉलर होगी, और उन्हें उम्मीद है कि ग्रोस मार्जिन शुरुआत में टूटने के करीब होगा।

विदेशी निवेश ने तोड़ा 9 महीने का रिकॉर्ड

- मई के पूरे महीने में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 43,838 करोड़ रुपए का निवेश किया

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में भारतीय शेयर बाजारों में 43,838 करोड़ रुपए का निवेश किया। यह नौ महीने का उच्चतम स्तर है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने जून में भी खरीदारी जारी रखी है और इस महीने के पहले दो कारोबारी सत्रों में शेयर बाजारों में उन्होंने 6,490 करोड़ रुपए डाले हैं। बाजार के` विशेषज्ञ कहते हैं` कि इस महीने भी एफपीआई का प्रवाह जारी रहेगा। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के साथ अन्य इंडिकेटर्स इस बात का इशारा कर रहे हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था और मजबूत हो रही है। आंकड़ों के मुताबिक मई के पूरे महीने में एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 43,838 करोड़ रुपए का निवेश किया है। यह पिछले नौ माह में एफपीआई के निवेश का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इससे पहले उन्होंने अगस्त, 2022 में शेयरों में 51,204 करोड़ रुपए डाले थे। अप्रैल, 2023 में शेयरों में उनका निवेश 11,630 करोड़ रुपए और मार्च में 7,936 करोड़ रुपए रहा था। बता दें कि सभी उभरती अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक विदेशी निवेश भारत में ही आया है। जबकि चीन में इसके विपरीत खूब बिकवाली हुई है।

मार्च के निवेश में मुख्य योगदान अमेरिका की जीक्यूजी पार्टनर्स द्वारा अडानी समूह की कंपनियों में डाली गई पूंजी का था। हालांकि अगर अडानी समूह में जीक्यूजी के निवेश को निकाल दिया जाए, तो मार्च का आंकड़ा भी नकारात्मक हो जाएगा। इसके अलावा इस साल के पहले दो माह में एफपीआई ने 34,000 करोड़ रुपए से अधिक की निकासी की थी। शेयरों के अलावा एफपीआई ने मई में ऋण या बॉन्ड बाजार में भी 3,276 करोड़ रुपए डाले हैं। इस तरह 2023 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों में 35,748 करोड़ रुपए औ बांड बाजार में 7,471 करोड़ रुपए डाल चुके हैं।

मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में पेट्रोल महंगा, झारखंड में घटे दाम

- ब्रेंट क्रूड 1.48 डॉलर की तेजी के साथ 77.61 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को तेजी देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.41 डॉलर बढ़कर 73.15 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 1.48 डॉलर की तेजी के साथ 77.61 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के ताजा कीमत जारी कर दी है। अधिकांश राज्यों में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़े हुए दिख रहे हैं।

पंजाब में पेट्रोल 50 पैसे और डीजल 48 पैसे महंगा हो गया है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 48 और डीजल 47 पैसे महंगा हुआ है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल 33 पैसे ऊपर चला गया है। इसी तरह पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 42 और डीजल 39 पैसे महंगा बिक रहा है। राजस्थान, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश और गुजरात में भी ईंधन महंगा हुआ है। दूसरी ओर झारखंड में पेट्रोल और डीजल 55 पैसे सस्ता हो गया है। हरियाणा में मामूली राहत है। मध्यप्रदेश में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.65 रुपए और डीजल 94.25 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.56 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

जून में पहली बार खेला जाएगा ओवल में कोई टेस्ट

पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के जीतने की संभावना अधिक

लंदन । (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। यह मैच इंग्लैंड के ओवल मैदान में होगा। यह पहली बार है जब जून में इस मैदान में कोई टेस्ट खेला जा रहा है। अभी तक इस मैदान पर कुल 104 टेस्ट हुए हैं। इसमें जुलाई में 8 टेस्ट मैच हुए हैं। जिसमें से आधे मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। ऐसे में इस मैच में टॉस सबसे अहम रहेगा क्योंकि यहां शुरुआत में बल्लेबाजी करना आसान समझा जाता है। पिछले रिकार्ड को देखें तो 8 में से 4 मैच में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को यहां जीत मिली है। वहीं दो मैच में बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है जबकि 2 मैच बराबरी पर रहे हैं।

भारतीय टीम ने यहां एक टेस्ट जुलाई में खेला था और वह मुकाबला ड्रॉ रहा था। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने इस मैदान पर अब तक कोई टेस्ट जुलाई में नहीं खेला है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने इस मैदान पर खेले 38 में से 7 टेस्ट जीते हैं। 17 में उसे हार मिली है, जबकि 14 टेस्ट ड्रॉ रहे। वहीं भारतीय टीम ने ओवल में 14 टेस्ट खेले हैं और उसे 2 मैच में जीत मिली है जबकि 5 मुकाबले में हार व 7 मैच ड्रॉ रहे हैं। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम का पलड़ा यहां भारी नजर आता है।

वहीं इस मौसम में सिर्फ चौथे दिन 60 फीसदी बारिश होने के अनुमान है। वहीं बचे हुए दिन मौसम साफ रहेगा। आईसीसी ने फाइनल के लिए छठा रिजर्व रखा है। ऐसे में बारिश के कारण कुछ ओवर नहीं हो पाते हैं, तो छठे दिन मैच पूरा होगा। वहीं साल 2021 में भी पहले सत्र के फाइनल का परिणाम भी छठे दिन ही निकला था। आईसीसी के नियम के अनुसार, यदि बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो पाता है या मुकाबला ड्रॉ रहता है तो दोनों ही टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा

महिला जूनियर हॉकी एशिया कप: भारत ने मलेशिया को 2-1 से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। काकामिगाहारा। भारतीय टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए महिला जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट में मलेशिया को सोमवार को 2 . 1 से हराया। भारत के लिये मुमताज खान ने दसवें और दीपिका ने 26वें मिनट में गोल किया। मलेशिया के लिये डियान नजेरी ने छठे मिनट में गोल दागा। इस जीत के बाद भारत पूल ए में शीर्ष पर है जिसने पहले मैच में उजबेकिस्तान को 22 . 0 से शिकस्त दी थी। भारत ने पहले मिनट से ही आक्रामक खेल दिखाया और कुछ पेनल्टी कॉर्नर बनाये हालांकि उन पर गोल नहीं हो सका। दूसरी ओर मलेशिया ने शुरूआत में गेंद पर नियंत्रण में बाजी मारी और छठे ही मिनट में नजेरी ने उसके लिये गोल कर दिया।

मलेशिया की बढत हालांकि ज्यादा देर तक नहीं रही और चार मिनट बाद मुमताज ने पेनल्टी कॉर्नर पर भारत के लिये बराबरी का गोल किया। हाफ टाइम से चार मिनट पहले भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे दीपिका ने गोल में बदला। हाफटाइम के बाद कोई टीम गोल नहीं कर सकी। भारत का सामना मंगलवार को तीसरे पूल मैच में कोरिया से होगा।

ब्रेंडन किंग के शतक से वेस्टइंडीज ने यूएई को सात विकेट से हराया

शारजाह। (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग के पहले शतक की मदद से वेस्टइंडीज ने रविवार को यहां तीन मैचों की श्रृंखला के पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में यूएई को सात विकेट से हरा दिया। किंग ने 112 गेंद में 12 चौकों और चार छक्कों की मदद से 112 रन की पारी खेली जबकि शामरा ब्रूक्स ने 44 रन बनाए जिससे टीम ने 88 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। नए कप्तान शाई होप (नाबाद 13) ने छक्का जड़कर 35.2 ओवर में टीम का स्कोर तीन विकेट पर 206 रन तक पहुंचाकर उसे जीत दिलाई। इससे पहले यूएई की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.1 ओवर में 202 रन पर सिमट गई। तेज गेंदबाज कीमो पॉल ने 34 रन पर तीन विकेट चटकाए।

मेजबान टीम ने लिए 19 साल के अली नसीर पदार्पण करते हुए 52 गेंद में 58 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। वी अरविंद ने भी 77 गेंद में 40 रन की पारी खेली। वेस्टइंडीज की ओर से यानिक कारिया ने 26, डोमीनिक ड्रेक्स ने 29 और ओडियन स्मिथ ने 40 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। तीन मैचों की यह श्रृंखला अगले महीने जिंबाब्वे में होने वाले विश्व कप क्वालीफायर्स की तैयारी कर रही दोनों टीमों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

इंग्लैंड की पिच पर कड़ी मेहनत करना है जरूरी, डब्ल्यूटीसी 2023 से पहले आया रोहित शर्मा का बयान

लंदन (एजेंसी)। लंदन। भारतीय टीम को सात जून से इंग्लैंड में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है। इस भिड़ंत से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि इंग्लैंड की पिच ऐसी है जहां कड़ी मेहनत करने के अलावा बल्लेबाजों के पास अन्य विकल्प नहीं होता है।

गौरतलब है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने उपमहाद्वीप से बाहर अपना एकमात्र टेस्ट शतक 2021 में 'द ओवल' में बनाया था। रोहित शर्मा का कहना है कि इंग्लैंड में ऐसी परिस्थितियां होती हैं जहां बल्लेबाज के तौर पर कोई भी क्रीज पर सहज महसूस नहीं करता लेकिन उसे पता चल जाता है कि प्रतिद्वंद्वी टीम के गेंदबाजों के खिलाफ कब आक्रामकता बरतनी है। आस्ट्रेलिया के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने रविवार को यहां आईसीसी के एक कार्यक्रम 'आफ्टरनून विद टेस्ट लीजेंड्स' में अपनी बात रखी।

रोहित शर्मा ने कहा कि मुझे लगता है कि इंग्लैंड में बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण स्थितियां बनती है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए बल्लेबाजों को तैयार रहना होगा तभी सफलता की सीढ़ी चढ़ी जा सकती है। बता दें कि इससे पहले वर्ष 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट में भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे। हालांकि इस मैदान पर अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन खास नहीं रहा है। विराट कोहली का इस

मैदान पर औसत 30 का भी नहीं है, जबकि पुजारा ने इस मैदान पर 20 की औसत से भी कम में रन बनाए है। ऐसे में रोहित शर्मा की चिंता का विषय सही लगता है।

पैट कमिंस, रॉस टेलर और इयान बेल के साथ बैठे भारतीय कप्तान ने अपने निजी अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, ''2021 में मुझे एक चीज महसूस हुई कि आप कभी भी क्रीज पर जमते नहीं हो और फिर मौसम बदलता रहता है। आपको लंबे समय तक ध्यान लगाये रखना होता है और फिर आपको पता चल जाता है कि अब गेंदबाजों को धुनने का समय आ गया है। सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपको क्रीज पर जाकर समझना होता है कि आपकी मजबूती क्या है।''

मुंबई इंडियंस और टीम इंडिया के साथ इतने वर्षों में वह आंकड़ों और डाटा पर काफी ध्यान देते हैं। रोहित को लगता है कि 'द ओवल' में सफलता हासिल करने वाले पूर्व खिलाड़ियों के स्कोर बनाने के 'पैटर्न' को जानना बुरा विचार नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं उनका (सफल खिलाड़ियों) अनुकरण करने की कोशिश नहीं करूंगा लेकिन उनके रन बनाने के 'पैटर्न' को जानना अच्छा होगा। मैंने पाया कि ओवल में स्क्वायर बाउंड्री काफी तेज लगती हैं।''

पिछले एक दशक से एक से दूसरे प्रारूप में खेलने के लिए खुद को ढालने वाले रोहित जानते हैं कि यह मुश्किल होता है लेकिन वह इस चुनौती और जरूरत के अनुसार अपनी तकनीक में बदलाव करने की खुद की काबिलियत का आनंद लेते हैं। रोहित ने कहा, ''प्रारूप बदलना निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण कारक है। आप कई प्रारूपों में खेलते हो। मानसिक रूप से आपको बदलने के अनुकूलित होना चाहिए और अपनी तकनीक में फेरबदल करना चाहिए। आपको मानसिक रूप से तैयार रहना चाहिए।

टेस्ट ड्रॉ रहा तो दोनो ही टीमें होंगी संयुक्त विजेता

लंदन ।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून से लंदन के ओवल क्रिकेट मैदान पर होने वाले मैच को लेकर सभी उत्साहित हैं।दोनो ही टीमों इस मुकाबले के लिए अभ्यास में लगी हैं।भारतीय टीम दूसरी बार खिताबी मुकाबले में पहुंची है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली बार।इस मैच को लेकर कुछ आशंकाएं भी प्रशंसकों के मन में हैं।वो ये कि अगर बारिश या किसी अन्य कारण से इस मैच का परिणाम नहीं निकलता तो किस टीम को विजेता माना जाएगा।विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला अगर किसी भी वजह से ड्रॉ हो जाता है तो आईसीसी के नियम के अनुसार भारत और ऑस्ट्रेलिया

दोनो को ही संयुक्त विजेता घोषित किया जाएगा हालांकि कोई भी टीम ऐसा नहीं चाहेगी कि वह ट्रॉफी शेयर करें।ऐसे में दोनों की कोशिश यही रहेगी कि वह हर हाल में जीत हासिल कर विजेता बने।दोनो ही टीमों के खिलाड़ी अभी अभ्यास में लगे हैं।भारतीय टीम के सामने एक बड़ी चुनौती ये होगी कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में वह किस तरह के संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है। पिछली बार जब टीम इंडिया दो स्पिन गेंदबाज के साथ मैदान पर उतरी थी पर उसकी ये योजना विफल रही थी।ऐसे में भारतीय टीम पिछले बार की गलती नहीं दोहराना चाहेगी।तब 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ डब्लयूटीसी फाइनल मैच में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।वैसे भी इंग्लैंड के मैदानों में उछल भर पिच पर तेज गेंदबाजी अधिक हावी रहे हैं।

डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज में काउंटी क्रिकेट के अनुभवों से फायदा होगा : लाबुशेन

लंकाशर ।ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद लगाये हुए हैं।लाबुशेन को उम्मीद है कि उन्हें इस मैच में काउंटी क्रिकेट के अनुभवों का लाभ मिलेगा।लाबुशेन पिछले काफी दिनों से यहां ग्लैमोर्गन की ओर से कांउटी क्रिकेट खेल रहे हैं। लाबुशेन को काउंट के कारण इंग्लैंड के माहौल में ढलने में भी सहायता मिली है।उन्होंने काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के साथ ही आठ पारियों में दो शतकों की मदद से 504 रन बनाए और उन्हें उम्मीद है कि वह डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज में इस सिलसिले को बनाये रखेंगे।लाबुशेन ने कहा, मैं यहां काउंटी क्रिकेट में पिछले पांच सालों से आ रहा हूं।अब यह मेरी आदत का हिस्सा बन गया है।मुझे यहां आना और काउंटी क्रिकेट खेलना पसंद है।मुझे ग्लैमोर्गन की टीम पसंद है। उन्होंने कहा, मैं यहां खेलने का बहुत आनंद लेता हूं इसलिए बार-बार यहां आता हूं।यह मेरे लिए अच्छा है कि इस साल डब्ल्यूटीसी फाइनल और एशेज भी है।उस सीरीज में बढ़ते हुए यह अनुभव मेरे लिए लाभप्रद रहेंगे।लाबुशेन ने कहा, जो कोई भी ऑस्ट्रेलिया के लिए नंबर तीन पर बल्लेबाजी करेगा तो उसके ऊपर जिम्मेदारी होगी ही।मैं जब 2019 में एशेज, टेस्ट सीरीज के लिए यहां आया था जो रन बनाना मेरी जिम्मेदारी थी।अगर मैं ऐसा नहीं करता तो वे मेरी जगह किसी और को रख लेते।उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगा कि अब कुछ भी बदला है।हमें रन बनाने की और ज्यादा से ज्यादा मैचों में टीम की जीत में योगदान देने के तरीके अपनाने होंगे।

दिग्गज फुटबॉलर इब्राहिमोविच ने लिया खेल से सन्यास, फैंस हुए बेहद हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सफलतम कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी ने वर्ष 2021 में अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर एक वीडियो शेयर किया था और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से सन्यास लेने का ऐलान किया था। महेंद्र सिंह धोनी द्वारा अचानक सन्यास लिए जाने के फैसले से उनके फैंस काफी हैरान हुए थे।

इसके बाद उन्हें ना ही कोई फेयरवेल मैच के जरिए विदाई दी गई और ना ही फैंस उन्हें ट्रीब्यूट दे सके। ऐसा ही कुछ स्वीडन के स्टार फुटबॉलर ज्लाटान इब्राहिमोविच ने भी किया है। उन्होंने फुटबॉल से अचानक ही सन्यास लिए जाने की घोषणा कर दी है। फुटबॉलर ज्लाटान इब्राहिमोविच के इस ऐलान के बाद उनके फैंस काफी हैरान और हतप्रभ हो गए है।

दरअसल रविवार को सान सिरो में उन्होंने अचानक ही मैदान पर पहुंचकर फैंस की मौजूदगी में लाइव अपने सन्यास का ऐलान किया है। एसी मिलान के अनुभवी फारवर्ड ज्लाटन इब्राहिमोविच ने तुरंत प्रभाव से फुटबॉल को अलविदा कहने का फैसला किया है। इब्राहिमोविच का मौजूदा सत्र के बाद सिरी ए क्लब एसी मिलान के साथ अनुबंध समाप्त हो रहा था।

मिलान की टीम पहले ही कह चुकी थी कि हेलास वेरोना के खिलाफ मैच के बाद स्वीडन के 41 साल के इब्राहमोविच को विदाई देने के लिए विशेष समारोह का आयोजन किया जाएगा। इब्राहिमोविच ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में खुलासा किया कि उनके संन्यास लेने की खबर की किसी को जानकारी नहीं थी।

उन्होंने कहा, ''यहां तक कि मेरे परिवार को भी नहीं पता था क्योंकि मैं चाहता था कि जब मैं घोषणा करूं तो सभी इसे एक साथ सुनें।'' सेन सिरो में मैच के बाद जब वह मैदान से बाहर निकल रहे थे तो टीम के उनके साथियों ने उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया।

नहीं रुके खिलाड़ी के आंसू

इब्राहिमोविच अपने आंसू नहीं रोक पा रहे थे और उन्होंने अपने साथियों से कहा, ''फुटबॉल को अलविदा कहने का समय आ गया है लेकिन आपको नहीं।'' इब्राहिमोविच ने मिलान की ओर से 163 मैच में 93 गोल दागे। वह जनवरी 2020 में दूसरी बार टीम के साथ जुड़े और पिछले साल टीम के साथ अपना दूसरा सिरी ए खिताब जीता। पिछले साल घुटने के ऑपरेशन के बाद वह

चोटों से जूझते रहे और मौजूदा सत्र में टीम की ओर से सिर्फ चार मैच खेल पाए। मिलान के अलावा इब्राहिमोविच पेरिस सेंट जर्मेन, इंटर मिलान, बार्सीलोना, यूवेंटस और अजैक्स जैसी टीमों का हिस्सा रहे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत स्थानीय क्लब माल्मो के साथ की थी। इब्राहिमोविच ने स्वीडन के लिए 122 मैच में 62 गोल दागे।

एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स में भारत की हीना व भरतप्रीत को स्वर्ण मिला

येचियोन ।भारत ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक सहित कुल तीन पदक जीते हैं।भारत की रेजोआना हीना मलिक और भरतप्रीत सिंह ने महिलाओं की 400 मीटर दौड़ और पुरुष चक्का फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।हीना ने 53.31 सेकेंड में दौड़ पूरी की।ये उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 53.22 सेकेंड के समय से कुछ ही अधिक था।इससे पहले उन्होंने अप्रैल में ताशकंद में हुई एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।वहीं भरतप्रीत ने टूर्नामेंट के शुरुआती दिन 55.66 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर भारतीय टीम को दूसरा स्वर्ण पदक दिलाया।इसके अलावा भारत की ही अंतिमा पाल ने 5,000 मीटर रेस 17 मिनट और 17.11 सेकेंड में पूरी कर एक कांस्य पदक जीता।

रेल हादसे में माता-पिता को खोने वाले बच्चों को पढाएंगे सहवाग

नई दिल्ली ।टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने ओडिशा में हुए रेल हादसे पर दुख जताते हुए कहा है कि इसमें माता-पिता को खोने वाले बच्चों को वह पढ़ाएंगे।इस दुखद रेल हादसे में 275 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।सहवाग ने रेल हादसे की तस्वीर को पोस्ट करते हुए लिखा, यह तस्वीर हमें लंबे समय तक परेशान करेगी।साथ ही कहा कि दुख की इस घड़ी में मैं कम से कम इतना तो कर ही सकता हूं कि इस भीषण हादसे में जान गंवाने वालों के बच्चों की पढ़ाई का ध्यान रखूं।मैं ऐसे बच्चों को हरियाणा स्थित सहवाग स्कूल की बोर्डिंग फैसिलिटी में मुफ्त शिक्षा देने तैयार हूं।सभी परिवारों के लिए प्रार्थना और उन सभी बहादुर पुरुषों और महिलाओं के लिए तालियों जो बचाव कार्यों में सबसे आगे रहे हैं, मेडिकल टीम और स्वयंसेवक जो स्वेच्छा से रक्तदान कर रहे हैं।हम इसमें उनके साथ हैं।इस घोषणा के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग सहवाग की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं।

नोवाक जोकोविच ने तोड़ा राफेल नडाल का रिकॉर्ड, 17वीं बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में पाई सफलता

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस में खेले जा रहे फ्रेंच ओपन टूर्नामेंट में सर्बियाई खिलाड़ी और दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने 17वीं बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की है। नोवाक जोकोविच ने पेरू के जुआन पाब्लो वरिलास को मात देकर ये उपलब्धि हासिल की है।

इस जीत के साथ ही नोवाक जोकोविच ने इसके साथ ही उनके बराबर 22 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले राफेल नडाल के 16 बार फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के रिकॉर्ड तोड़ दिया। कूल्हे की चोट के कारण नडाल इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे है लेकिन फ्रेंच ओपन के अपने 16 क्वार्टर फाइनल अभियान में से वह 14 को खिताब में बदलने में सफल रहे है। रोलां गैरां के 2016 और 2021 के विजेता जोकोविच को अंतिम आठ में पहुंचने के लिए कोई पसीना नहीं बहाना पड़ा। उन्होंने लगभग दो घंटे तक चले एकतरफा मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 94वें स्थान पर काबिज वेरिलस को 6-3, 6-2, 6-2 से शिकस्त दी। इस दौरान सर्बिया के 36 साल के खिलाड़ी ने 35 विनर लगाये जबकि उनके खिलाफ सिर्फ 15 विनर लगे। जोकोविच ग्रैंड स्लैम में 55वीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे है और इस मामले में वह सिर्फ महान खिलाड़ी रोजर फेडरर (58 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल) से पीछे है। तीसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच के सामने 11वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव की चुनौती होगी। दोनों खिलाड़ियों के बीच नौ मुकाबलों में खाचानोव एक जीत दर्ज करने में सफल रहे है। खाचानोव ने अंतिम 16 के एक अन्य मैच में लोरेंजो सोनेगो 1-6, 6-4, 7-6, 6-1 से शिकस्त दी। महिलाओं के वर्ग में दो गैर-वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अनास्तासिया पाव्लुचेंकोवा और करोलिना मुचोवा क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रही। क्वार्टर फाइनल में दोनों खिलाड़ी एक दूसरे के आमने सामने होंगी। फ्रेंच ओपन 2021 की उपविजेता पाव्लुचेंकोवा ने 28वीं रैंकिंग की खिलाड़ी एलिस मर्टेंस को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया। मुचोवा ने एलिना अवनेस्यान को 6-4, 6-4 से हराया।

बजरंग, विनेश और साक्षी नौकरियों पर वापस लौटे पर कहा न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा

-नाबालिग लड़की के प्राथमिकी वापस लेने की बातें फर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजरंग पुनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मालिक अपनी-अपनी नौकरियों पर लौट गये है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद ये पहलवान अपने काम पर वापस आये हैं हालांकि इनका कहना है कि कुश्ती महासंघ के प्रमुख ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ उनका आंदोलन न्याय मिलने तक जारी रहेगा। साक्षी और बजरंग भारतीय रेलवे में ओएसडी के पद पर फिर से नियुक्त हुए।

वहीं साक्षी ने अपने एक ट्वीट में कहा कि आंदोलन समाप्त होने की खबरें गलत हैं। न्याय की लड़ाई में ना हम में से कोई पीछे हटा है, ना हटेगा। सत्याग्रह के साथ साथ रेलवे में अपनी ज़िम्मेदारी को साथ निभा रही हूँ। इंसाफ़ मिलने तक हमारी लड़ाई जारी है। साक्षी ने कहा, हमने गृह मंत्री से मुलाकात की, यह एक सामान्य बातचीत थी। हमारी केवल एक ही मांग ब्रजभूषण की गिरफ्तार है। मैं विरोध से पीछे नहीं हटी हूं, रेलवे में ओएसडी के रूप में मैंने अपना काम फिर से शुरू कर दिया है। मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि जब तक हमें न्याय नहीं मिल जाता तब तक हम विरोध करते रहेंगे। हम पीछे नहीं हटेंगे। साथ ही कहा कि नाबालिग लड़की के प्राथमिकी वापस लेने की खबरें गलत हैं।

वहीं पहलवान बजरंग ने भी आंदोलन वापस लेने की खबरों को गलत बताया है। साथ ही कहा कि ये खबरें हमें नुक़सान पहुँचाने के लिए फैलाई जा रही हैं पर हम न पीछे हटे हैं और न ही हमने आंदोलन वापस लिया है। महिला पहलवानों की एफ़आईआर उठाने की खबर भी गलत है। अब इंसाफ़ मिलने तक सत्याग्रह के साथ लड़ाई जारी रहेगी। पहलवान 23 अप्रैल से ही ब्रजभूषण की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठे थे। नई संसद के उदघाटन के दिन पहलवान जब संसद की ओर बढ़ रहे थे तो उन्हें हिरासत में लेकर दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर खाली करा दिया था। उसके बाद पहलवान अपने मेडल गंगा में बहाने गये थे पर किसान नेताओं ने उन्हें रोक लिया था।

वहीं राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने सोमवार को सरकार पर निशाना साधते हुए अंदेशा जताया कि भाजपा सांसद को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि

एक 'कमजोर' आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा और ब्रजभूषण को जमानत मिल जाएगी। सुप्रीम कोर्ट में पहलवानों की पैरवी कर रहे सिब्बल का यह बयान तब आया जब पता चला कि महिला पहलवानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार देर शाम गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की।

उरूग्वे और दक्षिण कोरिया अंडर-20 विश्व कप फुटबॉल के सेमीफाइनल में पहुंचीं

ब्यूनर्स आयर्स ।उरूग्वे और दक्षिण कोरिया की टीमें अंडर-20 फुटबॉल विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं।वहीं अमेरिका और नाइजीरिया की टीमें हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। उरूग्वे और दक्षिण कोरिया ने रविवार को यहां अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।उरूग्वे ने अमेरिका के खिलाफ मैच में 2-0 से जीत दर्ज की।उरूग्वे की ओर 21वें मिनट में एंडरसन दुराते ने गोल कर अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई जबकि 56वें मिनट में जोशुआ विंडर ने आत्मघाती गोल दागकर उरूग्वे की जीत तय कर दी। वहीं दक्षिण कोरिया ने अतिरिक्त समय में किये गोल की सहायता से नाइजीरिया को 1-0 से हराया।दक्षिण कोरिया की ओर से मैच का एकमात्र गोल सियोक ह्युन चोई ने हेडर पर किया।उरूब्वे की टीम अब सेमीफाइनल में गुरुवार को इजराइल से खेलेगी जबकि दक्षिण कोरिया का मुकाबला इटली से होगा।

हेयर स्पा बालों में डाले जान

प्रदूषण, धूल-मिट्टी और तनाव बालों की जडों को नुकसान पहुंचाते हैं और बाल बेजान होने लगते हैं। ऐसे में जब बालों की देखभाल ठीक से नहीं होती तो उनसे संबंधित तमाम समस्याएं पैदा हो जाती हैं मसलन डैंड्रफ, बालों का गिरना, बेजान और दोमुंहे होना। जिस प्रकार त्वचा को पोषण देने के लिए क्लींजिंग, टोनिंग, मॉयस्चराइजिंग और कंडिशनिंग की जरूरत होती है उसी प्रकार बालों को भी विशेष देखभाल की जरूरत होती है। दूसरी अहम बात है बालों के लिए उपयोगी और उचित हेयर केयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल। अलग-अलग प्रकार के बालों के लिए अलग तरह के हेयर प्रोडक्ट्स की जरूरत होती है। गलत प्रोडक्ट के इस्तेमाल से सिर की त्वचा और बालों को हानि पहुंच सकती है।

इसके अलावा बालों को नियमित रूप से साफ करना भी जरूरी है ताकि सिर की त्वचा पर जमा अतिरिक्त तेल और फॉलिकल्स साफ हो जाएं। मृत कोश भी निकल जाएं और बालों को विकसित होने के लिए जरूरी पोषण मिल सके। बालों से जुडी समस्याओं को दूर करने के लिए हेयर स्पा एक बेहतर और आधुनिक उपाय है।

हेयर स्पा

इसमें बालों से जुडी विभिन्न समस्याएं जैसे तैलीय बाल, डैंड्रफ, फंगल इन्फेक्शन, बालों का झडना, डीप स्टैंड कंडिशनिंग ट्रीटमेंट आदि का उपचार किया जाता है। बालों पर आपके खानपान का बहुत प्रभाव पडता है। हेयर स्पा ट्रीटमेंट के दौरान आपके दैनिक आहार पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

स्वस्थ बालों के लिए विटमिन ए, बी और सी के साथ कैल्शियम और कार्बोहाइड्रेट की विशेष जरूरत होती है और यह सभी आपके आहार में शामिल होना जरूरी है। हेयर स्पा ट्रीटमेंट बालों की किस्म को ध्यान में रखकर किया जाता है। किस तरह के बाल और किस समस्या को कैसे ट्रीटमेंट की जरूरत है यह एक्सपर्ट आपको पहले ही बता देते हैं। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन स्कैल्प एनेलाइजर के जरिये सिर की त्वचा की जांच होती है, जिससे यह पता चल जाता है कि बालों की क्या समस्या है और सिर की त्वचा के पोर खुले हैं या बंद। साथ ही आपको कैसे ट्रीटमेंट की जरूरत है। इसके बाद डीप क्लींजिंग, हेयर पैक, हेयर ऑयल, सक्शन मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। स्कैल्प एनेलाइजर की सहायता से यह जाना जाता है कि अगर फंगल इन्फेक्शन है तो वह किस तरफ ज्यादा है और डैंड्रफ रूखी है या तैलीय। कहीं आपको ज्यादा तनाव या सिरदर्द तो नहीं होता है, इन सभी बातों की सही-सही जानकारी एक्सपर्ट को देनी जरूरी होती है ताकि ट्रीटमेंट का पूरा लाभ मिल सके।

तरह-तरह के स्पा

बालों से जुडी हर प्रकार की समस्या को दूर करके उन्हें स्वस्थ और उनके टेक्सचर को मजबूत बनाती हैं। हर स्पा में अलग-अलग मसाज दी जाती है।

मॉयस्चराइजर बूस्ट

प्रदूषित वातावरण धूल-मिट्टी, खराब मौसम, ब्लो ड्रायर्स और स्ट्रेटनिंग प्रोडक्टस के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान को दूर करने के लिए मॉयस्चर बूस्ट हेयर थेरेपी का प्रयोग किया जाता है। इस थेरेपी में मिल्क प्रोटीन और पैंथेनॉल कॉम्प्लेक्स से युक्त प्रोडक्ट का प्रयोग किया जाता है, जो सिर की त्वचा को प्राकृतिक नमी भी प्रदान करता है और नमी के संतुलन को बनाने में मदद करता है।

एक्स्ट्रा केयर

को स्टाइल में रखना आज की जरूरत है। लेकिन स्टाइल के लिए बालों को तमाम रसायनों और तकनीकी प्रक्रियाओं से गुजरना पडता है, जो उन्हें कमजोर बना देते हैं। एक्स्ट्रा केयर हेयर स्पा ऐसे बेजान और कमजोर बालों को पोषण देने के लिए किया जाता है। यह प्रोटीन और सिलिकॉन ऑयल के नए मिश्रण से तैयार किया जाता है, जो बालों को मजबूत और चमकदार बनाने में मदद करता है।

स्मूद एंड सॉफ्ट

यह स्पा सिर की त्वचा को पोषण देकर उसे नर्म मुलायम बनाने के साथ ही बेजान बालों में जान डालता है। उनकी उलझन को आसानी से दूर करता है। यह बालों को मजबूत बनाता है।

डैंड्रफ कंट्रोल

अपने नाम के अनुसार यह स्पा डैंड्रफ की समस्या से निजात दिलाने में मदद करता है। इस थेरिपी में ऑक्टीपिरॉक्स मौजूद है जो रूसी से मुकाबला करने के लिए सबसे असरदायक होता है। इससे सिर की त्वचा लंबे समय तक स्वस्थ और साफ रहती है।

ग्रोथ एनहैंसिंग

यह स्पा बालों की जडों के मेटाबॉलिज्म को ऊर्जा प्रदान करता है और उसे संचालित करता है। जिससे बालों की ग्रोथ अच्छी होती है। साथ ही बालों के असमय सफेद होने की समस्या से भी बचाता है।

इस मौसम में मन को भाएं कॉटन साड़ियां

साड़ियां परंपरागत भारतीय परिधान है जो महिलाओं को सौम्य, सुंदर और शालीन छवि प्रदान करता है। बात गर्मियों की हो तो इस मौसम में कॉटन साड़ियों से बेहतर विकल्प नहीं। मार्केट में इन दिनों कॉटन साड़ियों की बेहतरीन वैरायटी मौजूद हैं

समर सीजन में हर महिला की यह चाहत होती है कि वह कुछ ऐसा पहनें जो उसे सौम्य और सुंदर दिखाने के साथ-साथ उसके लिए आरामदायक भी हो। इसलिए इस सीजन में कॉटन साड़ियों से बेस्ट कोई दूसरा ऑप्शन हो ही नहीं सकता। खासतौर से शादीशुदा महिलाएं, जो अमूमन साड़ियां पहनना ही पसं द करती हैं। ऐसे में आप एक बार कॉटन साड़ियों को जरूर ट्राई करें। इन दिनों मार्केट में काफी कलरफुल, कई वैरायटीज और प्रिंट्स में कॉटन साड़ियां मौजूद हैं। इन्हें पहनकर आप सिर्फ भीतरी ही नहीं बाहरी तौर पर भी कूल लगेंगी। फैशन डिजाइनर रीमा विस्तार से बता रही हैं कि कौन-सी साड़ियां इन दिनों ट्रेंड में बनी हुई हैं-

ऑरगेंडी साड़ियां

इस सीजन में आप एक बार प्लेन ऑरगेंडी साड़ियां पहन कर जरूर देंखें। लाइट मैटीरियल से बनी होने के कारण ये समर सीजन के लिए एकदम परफेक्ट हैं। वैसे ऑरगेंडी में प्लेन साड़ियों के लिए भी ढेरों ऑप्शन मौजूद हैं। यह कई सारे कलर और फैब्रिक में मार्केट में उपलब्ध है। डिजाइनर ऑरगेंडी साड़ी में बॉर्डर वाली साड़ी ट्राई करें, यह आपके लुक को सोबर और एलीगेंट बनाती है।

प्रिंटेड साड़ियां

डेली वियर और ऑफिस वियर के लिए प्रिं टेड का ॅ ट न साड़ियां भी काफी चलन में हैं। प्रिंटेड साड़ियों में आजकल कई वैरायटी मिलती है। खासकर दो शेड की कॉटन साड़ियां बेहतरीन लुक देती हैं। इसके अलावा प्लेन साड़ी में प्रिंटेड पल्ला भी आपको ग्रेसफुल लुक देता है।

तांत साड़ियां

पश्चिम बंगाल की तांत साड़ियां अपने ग्रेसफुल लुक, चौड़े और अट्रैक्टिव बॉर्डर, बूटीदार डिजाइंस की वजह से देशिवदेश में काफी पॉपुलर है। वैसे तो यह हर सीजन में काफी डिमांड में रहती हैं लेकिन गर्मियों के मौसम में इनकी लोकप्रियता काफी बढ़ जाती है। स्कूल- कॉलेज की टीर्चस या प्रोफेसर हों या फिर वर्किंग वुमेन, सभी की यह पहली पसंद बनती जा रही हैं। प्योर कॉटन के अलावा पार्टीवियर में भी तांत सिल्क की साड़ियां बेहद चलन में हैं।

चंदेरी कॉटन साड़ियां

चंदेरी कॉटन साड़ियां अब सिर्फ आम महिलाओं की पसंद बनकर ही नहीं रह गयी हैं, बल्कि बॉलीवुड स्टार्स भी इसका प्रयोग अपनी फिल्मों में जमकर कर रहे हैं। वैसे चंदेरी कॉटन और सिल्क दोनों ही फैब्रिक में काफी पसंद की जाती है। पारंपरिक चंदेरी डिजाइन में नाचता हुआ मोर, झाड़ पल्लू, चंदेरी बूटी, पटैला बूटी से सजी साड़ियां मार्केट में उपलब्ध हैं। साथ ही साथ आपको मार्केट में चंदेरी कॉटन और सिल्क पर बाघ, बटिक, दाबु और डिस्चार्ज प्रिंट की साड़ियां भी आसानी से मिल जाएंगी।

खासतौर से शादीशुदा महिलाएं, जो अमूमन साड़ियां पहनना ही पसंद करती हैं। ऐसे में आप एक बार कॉटन साड़ियों को जरूर ट्राई करें।

बनें आदर्श माता-पिता

आधुनिक दौर में बच्चों को संभालना और उनका सही मार्गदर्शन करना काफी मुश्किल होता जा रहा है। पैरेंट्स के लिए यह चैलेंज बन गया है। यदि बच्चों को समझदारी से हैंडल न किया जाए तो उनके दिलोदिमाग पर बुरा असर हो सकता है। यदि आप चाहते हैं कि आपके बच्चे अनुशासित, जिम्मेदार और सबकी आंखों का तारा बनें और आप आदर्श माता-पिता कहलाएं तो आजमाएं ये टिप्स

- ***बच्चों*** की सभी बातों में मीन-मेख न निकालें और न ही बात-बात में उन्हें रोकें-टोकें। बच्चों को प्यार से समझाएं। उसके दोस्तों के सामने उसे डांटें नहीं, उसे इस बात का बुरा लगेगा।
- जब आपका बच्चा कोई अच्छा काम करे तो उसकी प्रशंसा करना न भूलें। माता-पिता की प्रशंसा बच्चों के अंदर आत्मविास जगाती है और भविष्य में वे और भी अच्छा परफॉर्म करते हैं।
- बच्चों को बचपन से ही 'सॉरी' और 'थैंक्यू' जैसे शब्दों का प्रयोग करना सिखाएं। घर आए मेहमानों और बड़े-बुजुर्गो का सम्मान करना सिखाएं। अच्छे आचरण के बीज बचपन में ही बोए जा सकते हैं।
- कभी-कभी बच्चों की जिद भी मान लें। जिद करना तो बाल सुलभ स्वभाव है । थोड़ी समझदारी से उसके इस स्वभाव को हैंडल करें तो उसकी यह आदत धीरे-धीरे स्वत: ही कम हो जाएगी।
- आमतौर पर पैरेंट्स बोलते हैं और बच्चों को उनकी बात सुननी पड़ती है। बच्चों को भी बोलने का मौका दें, उनकी बातों को ध्यान से सुनें। बाल मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, यदि बच्चों को अपनी बात कहने का मौका दिया जाए तो उन्हें दिशा देना आसान हो जाता है।
- बच्चों से फ्रेंडली रहें लेकिन एक सीमा तक ही। अपना पैरेंटल अधिकार बनाए रखें और अनु शासन में रखकर बच्चों को जरूरी दिशा-निर्देश दें।
- दूसरे बच्चों से अपने बच्चों की तुलना न करें। इससे बच्चों में सुपीरियोरिटी कॉम्प्लेक्स या हीन भावना उत्पन्न हो सकती है। हर पैरेंटिंग बच्चा दूसरे से अलग होता है। उसके अच्छे गुणों को उभारना हर माता-पिता की जिम्मेदारी होती है।
- बच्चों में शुरू से ही शेयरिंग की आदत डालें। उसे अपने खिलौने या चॉकलेट अपने दोस्तों या भाई-बहनों के साथ मिल-बांटकर खेलना खाना सिखाएं। इस तरह वे बचपन से ही सोशल होना सीखेंगे।
- अपने बच्चों में ईर्ष्या-द्वेष की भावना न पनपने दें, न ही ओवर रिएक्ट करें।
- बच्चे अनुशासन घर से ही सीखते हैं। अत: बच्चों को जिम्मेदार और अनुशासित बनाने से पहले स्वयं अनुशासित व जिम्मेदार बनें।
- बच्चों को अपने पारिवारिक या आपसी झगड़ों का हिस्सा न बनाएं और न ही उन्हें मोहरे के तौर पर इस्तेमाल करें।
- बच्चों से बहुत अधिक अपेक्षाएं न करें। अक्सर पैरेंट्स अपनी अधूरी महत्वाकां क्षा बच्चों के जरिए पूरी करना चाहते हैं। इसके लिए वे बच्चों पर दबाव डालते हैं, जो सही नहीं है।
- बच्चों को अनुशासन सिखाएं, लेकिन उन्हें अनुशासन के दायरे में बांधकर न रखें। अनुशासन के दायरे में बां धकर रखने से बच्चों का समुचित विकास नहीं हो पाता।
- बच्चों के सामने गाली-गलौज या अपशब्दों का इस्तेमाल न करें और न ही बच्चों के सामने अनावश्यक झूठ बोलें क्योंकि जैसा आप बोलेंगे, उसका प्रभाव निश्चित रूप से आपके बच्चों पर पड़ेगा।
- बच्चों के लिए भी वक्त निकालें। बच्चों की दिनर्चया में शामिल होना भी बच्चों के संपूर्ण विकास का हिस्सा है।
- कोई भी फंक्शन या फैमिली गेट-टुगेदर हो तो बच्चों को साथ जरूर ले जाएं। इससे बच्चे सोशल बनते हैं। हमारी परंपराओं से बच्चे बहुत कुछ सीखते हैं।
- बच्चों के सवालों या उसकी किसी जिज्ञासा पर उसे डांटकर चुप न कराएं बल्कि समझदारीपूर्वक उसके सवालों का जवाब दें और उसकी जिज्ञासाओं को शांत करें। इससे बच्चा भ्रमित नहीं होगा।
- उन्हें इतनी छूट भी न दें कि वे लापरवाह बन जाएं। बच्चों को कोई भी स्वतंत्रता समय से पहले और जरूरत से ज्यादा न दें, ताकि वे चीजों व भावनाओं की कद्र करना जानें।
- बच्चों को आत्मनिर्भर बनना सिखाएं। उसके छोटे-छोटे काम उसे स्वयं करने दें। ऐसा करने से वे बचपन से ही जिम्मेदार और आत्मनिर्भर बनेगा।
- बच्चों की प्रथम पाठशाला उसका घर होता है। अत: अपने बच्चों के सामने सभ्यता से बोलें और अच्छा आचरण करें क्योंकि जैसा आप बोलेंगे और जैसा आचरण आप करेंगे, वैसा ही आपका बच्चा सीखेगा।

इन सब बातों का ध्यान रखकर और उपरोक्त बातों को अपनी और अपने बच्चों की दिनर्चया में शामिल करके आप भी आदर्श माता पिता बन सकते हैं।

अमरिका में लोगों ने तिरंगे को पकड़कर व राहुल के आगमन का बेसब्री से कर रहे थे इंतजार

न्यूर्याक। राहुल गांधी अमेरिका के छह दिवसीय दौरे पर हैं। न्यूयॉर्क में भारतीय-अमेरिकी डायस्पोरा को संबोधित करने से पहले दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिलीं। एक वीडियो में खालिस्तान चरमपंथियों के एक समूह को कांग्रेस नेताओं के लिए वापस जाओ के नारे लगाते हुए दिखाया गया है, जबकि बच्चों सहित अन्य उपस्थित लोगों ने तिरंगे को पकड़कर और राहुल के आगमन का बेसब्री से इंतजार करते हुए अपना उत्साह दिखाया। प्रेस के साथ बातचीत के दौरान एक व्यक्ति कांग्रेस नेता की तस्वीर वाले एक पोस्टर के पास खड़ा था और राहुल की कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 145 दिनों की पैदल यात्रा की उल्लेखनीय यात्रा के लिए प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने उनके प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह राष्ट्र के लिए सकारात्मक योगदान दे रहे हैं। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपना हमला जारी रखा और आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस भविष्य को देखने में असमर्थ हैं और केवल अतीत के बारे में बात कर सकते हैं। न्यूयॉर्क में जेविट्स सेंटर में प्रवासी भारतीयों की सभा में राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय कार चलाने की कोशिश कर रहे हैं और वो रियर-व्यू मिरर में देखते हैं। तब उसे समझ नहीं आता कि यह कार आगे क्यों नहीं बढ़ रही है, क्यों दुर्घटनाग्रस्त हो रही है। भाजपा के साथ आरएसएस के साथ भी यही विचार है। आप मंत्रियों की सुनते हैं, आप प्रधानमंत्री की सुनते हैं। आप उन्हें भविष्य के बारे में बात करते हुए कभी नहीं पाएंगे। वे केवल अतीत के बारे में बात करते हैं।

यौन शोषण के आरोपी भारतीय मूल के पिता-पुत्र कनाडा में गिरफ्तार

-कई लड़कियों का महीनों तक किया शोषण, जबरन की वसूली

टोरंटो। कनाडा में भारतीय मूल के एक व्यक्ति और उसके बेटे को कई लड़कियों का महीनों तक शोषण करने एवं उनसे जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय पुलिस ने एक बयान में बताया कि अप्रैल में लापता हो गई 13 वर्षीय एक लड़की की तलाश के सिलसिले में हुई जांच के बाद गुरप्रताप सिंह वालिया (56) और उसके बेटे सुम्रित वालिया (24) को गिरफ्तार किया गया। लड़की ने मिलने के बाद बताया कि उसके सुमित के साथ संबंध थे तथा सुमित उसे सेक्स के बदले कथित रूप से मादक पदार्थ देता था। पिता-पुत्र की शराब की एक दुकान थी जहां लड़कियों का उत्पीड़न किया गया। जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि पिता-पुत्र किशोरियों को मादक पदार्थ और शराब देते थे और फिर उन लड़कियों का यौन उत्पीड़ किया जाता था। मीडिया के अनुसार ये घटनाएं दिसंबर 2022 से मई 2023 के बीच हुईं। पुलिस ने 1 जून को दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार किया। उनके घर की तलाशी लेने पर 97 हजार 500 अमरीकी डॉलर मूल्य की 975 ग्राम कोकीन और 7 हथियार मिले। तलाशी के दौरान एक कम्प्यूटर में बाल पोर्नोग्राफी (अश्लील सामग्री) भी मिली। सुम्रित और उसके पिता को यौन शोषण, बाल पोर्नोग्राफी रखने का आरोपी बनाया गया है।

प्राथमिक विद्यालयों की 80 लड़कियों को दिया गया जहर!

काबुल। उत्तरी अफगानिस्तान में दो अलग-अलग घटनाओं में प्राथमिक विद्यालयों की 80 लड़कियों को जहर दे दिया गया, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक स्थानीय शिक्षा अधिकारी ने यह जानकारी दी। ऐसा माना जा रहा है कि अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने और अफगान महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों तथा स्वतंत्रता पर नियंत्रण करने के बाद से इस तरह का यह पहला मामला है। देश में लड़कियों के छठी कक्षा से आगे पढ़ाई करने पर प्रतिबंध है। शिक्षा अधिकारी ने विस्तृत जानकारी नहीं देते हुए कहा कि जहर देने वाले व्यक्ति की निजी रंजिश थी। ये घटनाएं सर-ए-पुल प्रांत में शनिवार और रविवार को हुईं।

हैती में बाढ़ से 15 की मौत, आठ लापता

पोर्ट ऑ प्रिंस। हैती में भारी बारिश के कारण भयानक बाढ़ और भूस्खलन संबंधी घटनाओं में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लोग लापता हैं। हैती की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के अनुसार मकानों में पानी भरने से करीब 13,400 लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। सड़के पानी में पूरी तरह डूब चुकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि 7,400 से अधिक परिवारों के प्रभावित होने की सूचना है। बारिश से हुए नुकसान का पता लगाया जा रहा है। प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने कहा कि वह बाढ़ से प्रभावित लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थानीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ काम कर रहे हैं।

फ्रांस में पत्नी के समक्ष एक शख्स ने दी पाक के पूर्व आर्मी चीफ को गाली

-अफगानिस्तान में जेहाद के लिए बाजवा को ठहराया जिम्मेदार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफजनरल (रिटायर्ड) कमर जावेद बाजवा इस समय भले ही सेना प्रमुख न हों, लेकिन वह हमेशा खबरों में बने रहते हैं। ताजा मामला एक वीडियो का है जो इस समय तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में नीले रंग की टी-शर्ट और ग्रे पैंट पहने बाजवा अपनी पत्नी के साथ नजर आ रहे हैं। यहां पर कोई शख्स उनके साथ दुर्व्यवहार कर रहा है। इस शख?स को बाजवा को काफी भद्दी गालियां देते हुए सुना जा सकता है। बाजवा पिछले साल नवंबर में रिटायर हो गए थे और उनकी जगह पर उनके करीबी रहे जनरल असीम मुनीर को नया आर्मी चीफबनाया गया था। बताया जा रहा है कि ट्विटर पर रविवार को वीडियो शेयर किया गया है और एनेसी, फ्रांस का है, जहां पर बाजवा अपनी पत्नी के साथ मौजूद हैं। मीडिया ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख बाजवा के साथ इस तरह का बुरा बर्ताव किया जा रहा है। एक पत्रकार ने मांग की है कि इस मसले को फ्रांस के सामने राजनयिक तौर पर उठाया जाए। वीडियो में अफगानिस्तान का एक शख्स बाजवा को अफगानिस्तान में जेहाद के लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है। इस पर बाजवा को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह अब पाकिस्तान के आर्मी चीफ नहीं हैं। बाजवा उस शख्स को सलाह देते हैं कि उसे पुलिस को बुला लेना चाहिए। वह शख्स भी उनकी बात दोहराता है और उन्हें काफी गंदी गालियां देने लगता है। बाजवा पहली बार नवंबर 2016 में पाकिस्तान के आर्मी चीफबने थे। साल 2019 में तत्कालीन पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने उनका कार्यकाल तीन साल के लिए बढ़ा दिया था। इसके बाद वह 63 साल की उम्र में नवंबर 2022 में पाकिस्तान सेना से रिटायर हुए। बाजवा ऐसे समय में रिटायर हुए थे जब देश में आर्थिक अस्थिरता और राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई थी। कई लोगों उनके कार्यकाल को राजनीतिक दखलंदाजी के तौर पर देखते हैं। वो मानते हैं कि बाजवा ने इस तरह से दखलदांजी की कि सेना के अंदर ही फूट पड़ गई।

तुर्किये के सैनिक कोसोवो पहुंचे, पहले से ही तैनात नाटो नीत शांतिरक्षकों की करेंगे मदद

इस्तांबुल। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के अनुरोध पर तुर्किये के कमांडो बटालियन की टुकड़ी कोसोवो पहुंच गई है जो इस बाल्कन देश में हिंसा को रोकने में मदद करेगी। तुर्किये के रक्षामंत्री ने रविवार को एक वीडियो साझा किया जिसमें दिखाई दे रहा है कि नाटो नीत केएफओआर शांतिरक्षक का बिल्ला लगाए सैनिक तुर्किये से रवाना हो रहे हैं और उसके बाद कोसोवो पहुंच रहे हैं।

गौरतलब है कि सर्ब के साथ गत सोमवार को हुई जातीय हिंसा में 30 अंतरराष्ट्रीय सैनिक घायल हो गए थे जिनमें 11 इतालवी और 19 हंगरी के सैनिक शामिल थे। इन सैनिकों में कुछ की हड्डिया टूट गई हैं और कुछ स्थानीय रूप से उन्नत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) की चपेट में आने से झुलस गए हैं। गौरतलब है कि हिंसा की शुरुआत उस समय हुई जब सर्ब जातीय समूह के बहिष्कार के बाद अल्बानियाई मूल के उम्मीदवारों ने भारी जीत दर्ज की और जब वे कार्यभार संभालने नगरपालिका की इमारत गए तो सर्ब ने उनका विरोध किया। तुर्किये के रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने पहचान गुप्त रखते हुए पिछले सप्ताह बताया था कि उनके देश के करीब 500 सैनिक कोसोवो में तैनात किए जाएंगे।

बैंकाक में एलजीबीटी प्राइड परेड में मूव फारवर्ड पार्टी की नेता पिटा लिमजारोनेट भी अन्य लोगों के साथ शामिल हुईं।

वाशिंगटन में उड़ रहे अज्ञात विमान का पीछा किया तो वर्जीनिया में हुआ क्रैश

वाशिंगटन। वाशिंगटन क्षेत्र में अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने रविवार को उड़ान भर रहे एक रहस्यमयी विमान का पीछा किया, जो बाद में वर्जीनिया में क्रैश हो गया। पुलिस ने कहा कि बचावकर्ता जब शेनानडोह घाटी के एक ग्रामीण हिस्से में विमान दुर्घटना के स्थल पर पहुंचे तो देखा विमान में सवार कोई भी व्यक्ति जिंदा नहीं बचा था। अधिकारियों के अनुसार अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में सोनिक बूम को उस समय सुना गया, जब फाइटर जेट एक छोटे प्लेन का पीछा कर रहे थे। हालांकि, यह प्लेन बाद में वर्जीनिया में जाकर क्रैश हो गया। अधिकारियों ने बताया कि फाइटर जेट्स के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन उस समय कॉल करता है, जब कोई भी विमान असुरक्षित तरीके से उड़ान भर रहा होता है। कॉन्टिनेंटल यूएस नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड रीजन ने बताया कि फाइटर जेट्स ने रहस्यमयी विमान के पायलट से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसकी तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया। दुर्घटनाग्रस्त विमान मेलबर्न इंक के एनकोर मोटर्स के लिए पंजीकृत था, जो फ्लोरिडा में स्थित है। कंपनी चलाने वाले जॉन रंपेल ने मीडिया को को बताया कि विमान में उनकी बेटी, दो साल की पोती, उसकी दादी और पायलट सवार थे। उन्होंने कहा कि वे उत्तरी कैरोलिना में अपने घर का दौरा करने के बाद लॉन्ग आइलैंड पर ईस्ट हैम्पटन में अपने घर लौट रहे थे। जिस समय फाइटर जेट ने उड़ान भरी, उस समय राष्ट्रपति जो बाइडेन ज्वाइंट बेस एंड्रयूज में गोल्फ खेल रहे थे। यूएस सीक्रेट सर्विस के प्रवक्ता एंथोनी गुगलिल्मी ने कहा कि इस घटना का रविवार को राष्ट्रपति की गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

निक्की हेली ने भारत को बताया सबसे बड़े प्रदूषकों में से एक

ट्विटर यूजर ने सर्वाधिक co2 उत्सर्जक देशों का ग्राफ साझा करते हुए कहा- पहले आईना देखो

काठमांडू (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर भारत को सबसे बड़े प्रदूषकों में से एक कहने के बाद सोशल मीडिया पर एक विवाद छिड़ गया है। ट्विटर पर हेली ने कहा कि अगर हम पर्यावरण को बचाने के लिए गंभीर होना चाहते हैं, तो हमें भारत और चीन से भिड़ने की जरूरत है। वे कुछ सबसे बड़े प्रदूषक हैं। बस इतना कहना भर था कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई नेटिज़न्स ने इस

बयान पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया जताई है और निक्की हेली को उनके बयान के लिए आड़े हाथों लिया।

'एआई बुक' के योगदानकर्ता शैलेंद्र मलिक ने हेली की आलोचना करते हुए कहा कि मुझे विश्वास होने लगा है कि विभिन्न अमेरिकी कंपनियों के सीईओ के रूप में भारतीय एक अच्छी बात है लेकिन राजनेताओं के रूप में, वे व्यक्तित्वों में सबसे बेकार हैं। उन्होंने कहा कि उनकी विश्वदृष्टि और आवश्यकता, हर किसी को यह साबित करने के लिए कि वे अमेरिकियों की तुलना में अधिक अमेरिकी या ब्रिटिशों की तुलना में अधिक ब्रिटिश हो सकते हैं, हमेशा तथ्यों को देखे बिना भारत के बारे में बकवास करने के लिए मजबूर रहते हैं।

चीनी कर्नल ने की भारत को नीचा दिखाने की ओछी हरकत

बीजिंग। सिंगापुर में पिछले दिनों आयोजित शांगरी-ला डायलॉग के दौरान चीनी कर्नल का अहंकार झलका है। उसने इस तरह से भारत को नीचा दिखाने की कोशिश की है। गौरतलब है कि भारत और चीन के बीच पिछले कुछ समय से काफी तनाव है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने है। सिंगापुर में पिछले दिनों शांगरी-ला डायलॉग का आयोजन हुआ है। इसी कार्यक्रम में चीन के एक सीनियर कर्नल ने कहा कि भारतीय सेना, चीन के लिए कोई खतरा नहीं है। उनका कहना है कि भारत कभी भी चीनी रक्षा उद्योग और हथियार प्रणाली तक नहीं पहुंच पाएगा। वहीं चीनी विशेषज्ञों की मानें तो सीमा पर संघर्ष के बावजूद, भारत, चीन का मुकाबला करने के लिए अमेरिका की रणनीति में साथी होने की संभावना नहीं है। शांगरी-ला डायलॉग एशिया का सबसे बड़ा सिक्योरिटी फोरम है। यहां पर चीनी सैन्य प्रतिनिधियों का कहना है कि भारत, चीन के लिए सुरक्षा खतरा पैदा नहीं करेगा क्योंकि वह रक्षा निर्माण और अपनी सेना के आधुनिकीकरण में पीएलए को चुनौती देने में अभी भी अक्षम है। रविवार को खत्म हुए शांगरी-ला डायलॉग के मौके पर पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के प्रतिनिधियों ने कहा कि भारत अभी भी चीन की सेना की बराबरी करने से कोसो दूर है।

प्रचंड की भारत यात्रा ने विपक्षी दलों को किया एकजुट, नेपाल को बेचने का लगाया आरोप

कांठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की दिल्ली यात्रा जिसे उन्होंने भले ही बहुत सफल बताया है। लेकिन प्रचंड की इस यात्रा ने विपक्षी दलों को एकजुट कर दिया है। विपक्ष एकमत होते हुए उन पर नेपाल को भारत को पूरी तरह से बेचने का आरोप तक लगा दिया है। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी और नेपाल मजदूर किसान पार्टी सहित विपक्ष ने प्रतिनिधि सभा को रविवार को दिन भर के लिए स्थगित कर दिया। इसके साथ ही अध्यक्ष से सूचीबद्ध कार्य को रोकने के लिए कहा और पीएम को उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए बुलाया है। जानकारी के अनुसार नेपाल की सभी विपक्षी पार्टियां एकजुट होकर भारत के साथ सीमा विवाद का मुद्दा न उठाने को लेकर प्रचंड की कटू आलोचना कर रहे हैं। इस बीच, न्यायमूर्ति मनोज कुमार शर्मा की सर्वोच्च न्यायालय की एकल पीठ ने नागरिकता विधेयक के संचालन पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसे राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने दहल के आधिकारिक दौरे पर जाने से कुछ ही घंटे पहले मंजूरी दे दी थी।

यूएमएल के मुख्य सचेतक पदम गिरि ने मीडियाकर्मियों से कहा कि पीएम दहल संक्षिप्त और राष्ट्रीय हित की कीमत पर भारत चले गए और उन्होंने सीमा विवाद के मुद्दे को उठाने से इनकार कर दिया। उन्होंने नए संसद भवन में लगे अखंड भारत के भित्ति चित्र में कथित रूप से गौतम बुद्ध के जन्म स्थान लुंबिनी और कपिलवस्तु को दिखाए जाने को लेकर प्रचंड की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। नेपाल के नागरिकता कानून में यह संशोधन हमेशा से ही विवादित रहा है जो नेपालियों से शादी करने वाले विदेशियों को राजनीतिक अधिकारों के साथ-साथ उन्हें नागरिकता भी प्रदान करता है। माना जाता है कि बिल की मंजूरी भारत से सटे तराई में लोगों को नागरिकता देने के मुद्दे पर कुछ पांच साल पहले व्यक्त की गई दिल्ली की इच्छा को संबोधित करती है।

एलएसी पर चीनी सेना ने तैयारी बढ़ाई, अक्साई चिन में तेजी से कर रहा निर्माण

लद्दाख (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच गतिरोध जारी है। दोनों देशों के बीच अभी भी बॉर्डर पर विभिन्न मसलों को लेकर तनाव है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन दोनों के सैनिक तैनात हैं। अभी कुछ दिनों पहले ही एलएसी के पास चीन की बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। एलएसी पर चीनी सेना ने तैयारी बढ़ दी है। हवाई क्षेत्र, हेलीपैड निर्माण भी तेजी से चल रहा है। वहीं अब अक्साई चिन को लेकर भी चीन की करतूत उजागर हुई है। अमेरिका के थिंक टैंक चैटहम हाउस ने दावा किया है कि चीन विवादित अक्साई चिन में भी निर्माण कर रहा है। वो इलाकों में सड़कें, आउटपोस्ट, कैंप और हेलीपोर्ट बनाने में लगा हुआ है।

यूके स्थित थिंक टैंक की रिपोर्ट अक्टूबर 2022 से छह महीनों में ली गई सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण पर आधारित है और वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के चीनी पक्ष पर बुनियादी ढांचे के बड़े पैमाने पर रैंपिंग के अन्य सबूतों पर आधारित है। चैटहम हाउस को रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स के नाम से भी जाना जाता है। उसने बताया है कि अक्साई चिन की सैटेलाइट तस्वीरें विस्तारित सड़कें, चौकी और पार्किंग क्षेत्र, सौर पैनल और यहां तक ??कि हेलीपैड से सुसज्जित आधुनिक मौसमरोधी शिविर दिखाती हैं।

साल 2020 के बाद से एलएसी के साथ चीन के हवाई क्षेत्रों के विस्तार ने पीएलए के लिए व्यापक संचालन करने और कुछ क्षेत्रों में भारत के तुलनात्मक लाभों का मुकाबला करने की क्षमता पैदा की है। सीमा गतिरोध ने भारत-चीन संबंधों को छह दशक के निचले स्तर पर ले लिया है। विशेष रूप से जून 2020 में गालवान घाटी में एक क्रूर संघर्ष के बाद 20 भारतीय सैनिकों और कम से कम चार चीनी सैनिकों की मौत हो गई थी। भारत के शीर्ष नेतृत्व ने कहा है कि एलएसी पर असामान्य स्थिति को दूर करने के लिए कदम उठाए जाने तक संबंधों को सामान्य नहीं किया जा सकता है।

अमेरिका ने ताइवान जलडमरूमध्य में चीनी पोत के सामने आने का वीडियो जारी किया

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बैंकॉक। अमेरिकी सेना ने गत सप्ताहांत ताइवान जलडमरूमध्य में चीन के एक जहाज के 'असुरक्षित' तरीके से एक अन्य पोत के सामने आने की घटना का वीडियो सोमवार को जारी किया। हालांकि हादसा टल गया। गौरतलब है कि चीनी नौसेना का एक जहाज अचानक ताइवान जलडमरूमध्य में अमेरिका के एक विध्वंसक पोत के सामने आ गया था, जिसके कारण अमेरिकी जहाज को टक्कर से बचने के लिए अपनी गति धीमी करनी पड़ी थी।

यह घटना शनिवार को उस वक्त हुई जब अमेरिकी विध्वंसक पोत यूएसएस चुंग-हून और कनाडाई फ्रिगेट (जंगी जहाज) एचएमसीएस मांट्रियल, ताइवान और चीन के मुख्य भू-भाग के बीच जलडमरूमध्य में तथाकथित 'फ्रीडम ऑफ नेवीगेशन' (एफओएन) का इस्तेमाल कर रहे थे। चीन लोकतांत्रिक रूप से स्व-शासित द्वीप ताइवान पर अपना दावा जताता है और जलडमरूमध्य को अपना विशेष आर्थिक क्षेत्र बताता है, जबकि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के जहाज नियमित रूप से इस क्षेत्र से गुजरते हैं तथा उनके विमान उड़ान भरते हैं। उनकी दलील है कि यह अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र है। सोमवार को जारी वीडियो में चीनी जहाज अमेरिकी जहाज के रास्ते में आता और फिर मुड़कर उसकी समानांतर दिशा में चलता हुआ दिखाई दे रहा है। हिंद-प्रशांत कमांड ने कहा कि ये गतिविधियां अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में सुरक्षित रूप से गुजरने के समुद्री नियमों का उल्लंघन करती हैं।

वहीं, चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने इस कदम का बचाव करते हुए कहा कि ऐसा 'कानून के अनुसार' किया गया। उन्होंने कहा, ''अमेरिका को गहनता से आत्मचिंतन करना चाहिए और गलत कार्यों को सुधारना चाहिए।'' अमेरिका ने हाल में चीन पर हवाई क्षेत्र में 'अनावश्यक रूप से आक्रामक' बर्ताव करने का आरोप लगाया था। ताइवान जलडमरूमध्य में यह घटना तब हुई जब अमेरिकी विदेश मंत्री लॉयड ऑस्टिन और चीन के रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफु एक वार्षिक रक्षा सम्मेलन के लिए सिंगापुर में थे। चीन के रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफु ने रविवार को कहा था कि अमेरिका और उसके सहयोगियों ने ताइवान जलडमरूमध्यम में खतरा पैदा किया है, जबकि इसके बजाय उन्हें 'अपने वायुक्षेत्र और जलक्षेत्र की अच्छी तरह से देखभाल' करनी चाहिए। उन्होंने एक दुभाषिये के माध्यम से कहा, ''वहां आने का क्या मतलब है? चीन में हम हमेशा कहते हैं, अपने काम से मतलब रखो।'' ऑस्टिन ने ली को सम्मेलन से इतर वार्ता के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन ली ने इससे इनकार कर दिया था।

अतीत में देखने वाली बीजेपी व आरएसएस भविष्य से अंजान : राहुल गांधी

-कांग्रेस नेता ने रेल हादसे पर घेरा मोदी सरकार को, नैतिकता के आधार पर मांगा स्तीफा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रेल हादसे को लेकर भाजपा की सरकार में रेल मंत्री से नैतिकता के आधार पर इस्तीफा मांगा है। राहुल ने भाजपा नीत केंद्र सरकार पर हमला तेज करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और आरएसएस को पीछे मुड़कर देखने की आदत है और वे भविष्य के बारे में कभी नहीं सोचते और अतीत के लिए हमेशा किसी न किसी को दोषी ठहराते रहते हैं। उन्होंने रविवार को ओडिशा के बालासोर ट्रेन हादसे को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर कांग्रेस का कोई मंत्री सत्ता में होता, तो वह हादसे की नैतिक जिम्मेदारी लेता और इस्तीफा दे देता। न्यूयार्क के जेविट्स सेंटर में सभा को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा, भाजपा और आरएसएस भविष्य देखने में अक्षम हैं। उनसे पूछिए कि ट्रेन दुर्घटना क्यों हुई, तो वे कहेंगे कि कांग्रेस के समय भी ऐसा हुआ था। जब आप पूछेंगे कि पीरियोडिक टेबल को किताबों से क्यों हटाया गया तो वे कहेंगे कि 60 साल पहले कांग्रेस ने ऐसा किया था। उन्हें पीछे मुड़कर देखने की आदत होती है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक उदाहरण देकर कहा कि आप सभी अपनी कार से यहां आए हैं, जरा सोचिए कि अगर आपने ड्राइविंग करते समय केवल रियर व्यू मिरर में देखा होता, तो आप दुर्घटनाग्रस्त हो जाते। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा, मोदी की यही विशेषता है। वह भारतीय कार को चलाने की कोशिश कर रहे है और हमेशा रियर व्यू मिरर में देखते है और फिर उन्हें समझ नहीं आता कि यह कार क्यों दुर्घटनाग्रस्त हो रही है और आगे नहीं बढ़ रही है। भाजपा, आरएसएस के साथ भी यही विचार है, आप उनके मंत्रियों को सुनें। आप उन्हें कभी भविष्य के बारे में बात करते हुए नहीं पाएंगे, वे हमेशा अतीत के बारे में बात करेंगे और किसी न किसी को दोष देंगे।

राहुल की यह टिप्पणी बालासोर में शुक्रवार शाम हुए भयानक ट्रेन हादसे के लिए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की मांग के कुछ घंटे बाद आई है, जिसमें 275 से अधिक लोगों की जान चली गई। कांग्रेस नेता ने कहा, समस्या यह है कि हम बहाने बनाते हैं और हम उस वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर रहे हैं, जिसका हम सामना कर रहे हैं। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के सचिव वीरेंद्र वशिष्ठ ने कहा कि यहां प्रवासी भारतीयों को राहुल के संबोधन से पहले सभी नेताओं और लोगों ने बालासोर ट्रेन त्रासदी के पीड़ितों के लिए एक मिनट का मौन रखा। गौरतलब है कि राहुल अमेरिका के छह दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने कई कार्यक्रमों को संबोधित किया है।

पक्का गुजराती : पाकिस्तान की जेल में ब्रेसलेट से कमाई कर घर लौटा मछुआरा

अहमदाबाद । हुनर कोई छीन नहीं सकता और अगर आप के पास कोई हुनर है तो कहीं भी उसके जरिए कमाई की जा सकती है। पाकिस्तान की जेल में सजा के दौरान गुजरात के एक मछुआरे आपदा को अवसर में बदलकर पक्का गुजराती होने का साबित कर दिया। पाकिस्तान की जेल से रिहा होने के बाद गुजरात के 199 मछुआरे वडोदरा पहुंचे, जहां उनका स्वागत किया गया। जिसके बाद उन्हें अलग अलग बसों में बैठाकर उनके जिला मुख्यालय रवाना कर दिया गया। इनमें 129 मछुआरे गिर सोमनाथ जिले के हैं। जबकि देवभूमि द्वारका के 31, पोरबंदर के 4, जूनागढ़ और नवसारी के 2 मछुआरे शामिल हैं। इन मछुआरों में एक हैं दीव के निवासी जीतूभाई जिन्होंने साबित कर दिया कि हालात कैसे भी हों इंसान चाहे तो कुछ भी कर सकता है। जीतूभाई ने बताया कि अरब सागर में मछलीमारी करते हुए पाकिस्तानी सैनिकों ने उन्हें पकड़ लिया था। पाकिस्तान की जेल में शुरुआती दिन काफी मुश्किल भरे रहे, लेकिन बाद में अपने हुनर से थोड़ी बहुत कमाई कर ली। जीतूभाई ने बताया कि पाकिस्तान की जेल में उन्होंने मोतियों का ब्रेसलेट बनाना शुरू कर दिया। मेरा काम देख पाकिस्तान के जेल के अधिकारियों ने भी मेरी मदद की और ब्रेसलेट बनाने की सामग्री उपलब्ध करवाई। कई जेल अधिकारियों ने मुझसे ब्रेसलेट खरीदे। हालांकि उनकी मांग थी कि ब्रेसलेट पर उर्दू लिखा हो। मुझे उर्दू नहीं आती थी, लेकिन मैंने प्रेडिक्ट के अनुसार उर्दू लिखने का प्रयास किया और उसमें सफल भी हुआ। जिसके बाद मेरे ब्रेसलेट रु. 400 में बिकने लगे। उन्होंने बताया कि मोती से आकर्षक ब्रेसलेट बनाने के हुनर के जरिए मुश्किलभरे दिनों में भी मैंने अपने परिवार के लिए थोड़ी बहुत कमाई पाकिस्तान की जेल में सजा काटते समय कर ली। आज मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि अगर आप के कोई हुनर है तो उसे कोई छीन नहीं सकता।

तीन-चार दिन की देरी से केरल पहुंचेगा मानसून, मौसम विभाग का अनुमान

नई दिल्ली । मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि मानसून तीन-चार दिन बाद केरल पहुंचने वाला है। हालांकि मानसून रविवार को केरल में दस्तक देने वाला था लेकिन इसकी शुरुआत नहीं हुई और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने इसमें तीन से चार दिन की और देरी होने की आशंका जताई है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आम तौर पर एक जून को केरल में दस्तक देता है और इसकी शुरुआत सात दिन पहले या सात दिन बाद हो सकती है। मई के मध्य में, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा था कि मानसून 4 जून तक केरल में दस्तक दे सकता है। आईएमडी ने रविवार को एक बयान में कहा, कि दक्षिण अरब सागर के ऊपर पश्चिमी हवाओं में वृद्धि के साथ स्थितियां अनुकूल हो रही हैं। साथ ही, पश्चिमी हवाओं की गहराई धीरे-धीरे बढ़ रही है और आज, 4 जून को पश्चिमी हवाओं की गहराई औसत समुद्र तल से 2.1 किलोमीटर ऊपर तक पहुंच गई। आईएमडी ने कहा कि दक्षिणपूर्व अरब सागर पर बादल का द्रव्यमान भी बढ़ रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि केरल में मानसून की शुरुआत के लिए इन अनुकूल परिस्थितियों में अगले तीन-चार दिनों के दौरान और सुधार होगा। इसकी लगातार निगरानी की जा रही है और कल आगे की अद्यतन जानकारी प्रदान की जाएगी। वैज्ञानिकों ने कहा कि हालांकि, मानसून की शुरुआत में इस देरी से देश में खरीफ की बुआई और कुल बारिश पर असर पड़ने की संभावना नहीं है।

वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद मामले से 5 में से एक हटीं मुख्य वादी राखी सिंह

वाराणसी । विश्व वैदिक सनातन संघ के प्रमुख जितेंद्र सिंह विशेन ने वाराणसी के श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी मामलों से किनारा कर लिया है। विसेन की भतीजी राखी सिंह श्रृंगार गौरी नियमित दर्शन मामले में पांच हिंदू महिला वादियों में से एक हैं। विशेन ने कहा कि उन्होंने मुकदमा लड़ने के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी और धर्म-विरोधी लोगों द्वारा उत्पीड़न के चलते यह निर्णय लिया। उन्होंने अभी तक कोर्ट में अपने फैसले को लेकर कोई अर्जी दाखिल नहीं की है। पांच हिंदू महिलाओं राखी सिंह, मंजू व्यास, रेखा पाठक, सीता साहू और लक्ष्मी देवी ने अगस्त 2021 में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) वाराणसी की अदालत में श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी मामला दायर किया। वादी ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में मां श्रृंगार गौरी स्थल पर दैनिक पूजा का अधिकार मांगा। विशेन ने कहा कि मैंने देश और धर्म के हित में विभिन्न अदालतों में दायर किए गए सभी मामलों की पैरवी से खुद को और अपने परिवार के सदस्यों को दूर रखने का फैसला किया है। मेरी भतीजी राखी सिंह ने चार महिलाओं के साथ मुकदमा दायर किया। राखी सिंह और अन्य मां श्रृंगार गौरी स्थल पर दैनिक पूजा की अनुमति मांग रहे हैं और मैं इसके साथ मुख्य वकील के रूप में जुड़ा हुआ हूं। जहां विशेन राखी सिंह की ओर से श्रृंगार गौरी मामले की वकालत कर रहे थे, वहीं उनकी पत्नी किरण सिंह ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में आदि विश्वेश्वर विराजमान की दैनिक पूजा की अनुमति के लिए मुकदमा दायर किया। विशेन ने कहा कि जब से ये मामले दर्ज किए गए हैं, तब से मेरे परिवार के सदस्यों और मुझे हिंदू धर्म के खिलाफ धर्म-विरोधी लोगों द्वारा परेशान किया जा रहा है। ये लोग हमें गद्दार घोषित करने की कोशिश कर रहे हैं। बाकी हिंदू समाज भी इनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि कुछ महीने पहले मैंने केस लड़ने के लिए आवश्यक धन की व्यवस्था करने के लिए अपनी कार बेच दी, लेकिन अब मेरे पास बहुत ही सीमित संसाधन और ताकत बची है, इसके कारण मैं अब मुकदमों की पैरवी नहीं कर सकता। मैंने और मेरे परिवार के सदस्यों ने इन मुकदमों की पैरवी से हटने का फैसला किया है। विशेन के वकील शिवम गौड़ ने भी मुकदमे से खुद का नाम वापस लेने की घोषणा की है। इस बीच हिंदू पक्षकारों के वकील सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने कहा कि जितेंद्र सिंह विशेन ने मीडिया में मुकदमे की पैरवी से हटने का ऐलान किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसके बारे में पोस्ट किया, लेकिन विशेन ने अभी तक कोर्ट में अपने फैसले के बारे में लिखित आवेदन नहीं दिया है। मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

बाहरी गड़बड़ी की आशंका के चलते सीबीआई को सौंपी उड़ीसा ट्रेन हादसे की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसी बाहरी गड़बड़ी की आशंका के चलते उड़ीसा रेल हादसे की जांच सीबीआई को सौंपी गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अब तक मिली जानकारी के आधार पर सीबीआई जांच की सिफारिश की गई है। गौरतलब है कि शुक्रवार की शाम उड़ीसा के बालासोर में तीन ट्रेनें दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। हादसे में 288 लोगों की जान चली गई, जबकि 1100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस समेत विपक्ष ने रेल मंत्री से इस्तीफे की मांग की है। वहीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मौतों के आंकड़े पर सवाल खड़े किए हैं। इससे पहले रेलवे ने ओडिशा ट्रेन हादसे में रविवार को एक तरह से चालक की गलती और प्रणाली की खराबी की संभावना से इनकार किया तथा संभावित तोड़फोड़ और 'इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग' प्रणाली से छेड़छाड़ का संकेत दिया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दुर्घटना के असल कारण का पता लगा लिया गया है और इसके लिए जिम्मेदार अपराधियों की पहचान कर ली गई है। बालासोर जिले में दुर्घटनास्थल पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, यह हादसा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग और प्वाइंट मशीन में किए गए बदलाव के कारण हुआ।

दिल्ली में रेलवे के शीर्ष अधिकारियों ने बताया कि 'प्वाइंट मशीन और इंटरलॉकिंग प्रणाली त्रुटि रहित और विफलता में भी सुरक्षित (फेल सेफ) है। अधिकारियों ने बाहरी हस्तक्षेप की संभावना से इनकार नहीं किया। रेलवे अधिकारियों की मानें तो कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली के लॉजिक के साथ इस तरह की छेड़छाड़ केवल जानबूझकर हो सकती है। उन्होंने प्रणाली में किसी खराबी की संभावना को खारिज किया। अधिकारी ने अपना नाम उजागर न करने का आग्रह करते हुए कहा, कि यह अंदर या बाहर से छेड़छाड़ या तोड़फोड़ का मामला हो सकता है। हमने किसी भी चीज से इनकार नहीं किया है। हालां?कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने जांच पूरी कर ली है और रिपोर्ट का इंतजार है।

हादसे से संबंधित एक प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कहा गया कि कोरोमंडल एक्सप्रेस स्टेशन पर लूप लाइन में प्रवेश कर गई जिस पर लौह अयस्क से लदी एक मालगाड़ी खड़ी थी। इसमें छेड़छाड़ किए जाने की संभावना के संकेत के साथ उल्लेख किया गया कि सिग्नल ''दिया गया था और ट्रेन संख्या 12841 (कोरोमंडल एक्सप्रेस) को अप मेन लाइन के लिए रवाना किया गया था, लेकिन ट्रेन अप लूप लाइन में प्रवेश कर गई और लूपलाइन पर खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई तथा पटरी से उतर गई। इस बीच, ट्रेन संख्या 12864 (बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस) डाउन मेन लाइन से गुजरी और उसके दो डिब्बे पटरी से उतर गए तथा पलट गए।

रेलवे की बुनियाद मजबूत करने की बजाय खबरों में बने रहने के लिए दिया जा रहा सतही टचः मल्लिकार्जुन खड़गे

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ओडिशा में हुए बालासोर ट्रेन हादसे को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने पत्र में रेल हादसे पर दुख जताते हुए पीएम से रेलवे में सुधार की मांग की है। मुझे खेद है कि रेलवे को बुनियादी स्तर पर मजबूत करने की बजाय खबरों में बने रहने के लिए सतही टच अप दिया जा रहा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि रेलवे को अधिक प्रभावी, अधिक उन्नत और अधिक कुशल बनाने के बजाय इसके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगातार गलत निर्णय लेने के चलते रेल यात्रा को असुरक्षित बना दिया गया है और हमारे लोगों की समस्याएं बढ़ रही हैं।

खड़गे ने पीएम से चार सवाल पूछे

-पिछले 9 वर्षों में रेलवे में बड़ी संख्या में खाली पड़े पदों को क्यों नहीं भरा गया? कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम से सवाल करते हुए कहा कि भारतीय रेलवे में इस समय करीब 3 लाख पद खाली पड़े हैं। अकेले ईस्ट कोस्ट रेलवे में जहां यह दुखद दुर्घटना हुई, उसी के लगभग 8278 पद रिक्त हैं।

-खड़गे ने कहा कि खुद रेलवे बोर्ड ने हाल ही में माना है कि मैनपावर की कमी के कारण लोको पायलटों को अनिवार्य घंटों से ज्यादा घंटे काम करना पड़ा रहा है। लोको पायलट सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनके काम का ओवरबर्डन हादसों का मुख्य कारण साबित हो रहा है। उनके पद अब तक क्यों नहीं भरे गए?

-इसी साल 8 फरवरी को दक्षिण पश्चिम क्षेत्रीय रेलवे के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ने मैसूर में दो ट्रेनों की टक्कर का हवाला देते हुए सिग्नलिंग प्रणाली को दुरुस्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया था और भविष्य में होने वाली संभावित दुर्घटनाओं के बारे में भी आगाह किया था, लेकिन रेल मंत्रालय ने इस अहम चेतावनी की अनदेखी क्यों की?

-परिवहन, पर्यटन और संस्कृति पर संसदीय स्थायी समिति ने अपनी 323वीं रिपोर्ट में रेलवे सुरक्षा आयोग (सीआरएस) की सिफारिशों के प्रति रेलवे बोर्ड की लापरवाही की आलोचना की थी। रिपोर्ट में सीआरएस की कमी बताई गई थी, लेकिन सीआरएस को मजबूत करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया।

ओडिशा में अब हुई एक और ट्रेन दुर्घटना, मालगाड़ी के 5 डिब्बे पटरी से उतरे

बारगढ़ । अभी विगत दिवस ओडिशा के बालासोर में ट्रेन दुर्घटना हुई, जिसमें 275 लोग मारे गए। अब ओडिशा के ही बरगढ़ में मालगाड़ी के 5 डिब्बे पटरी से उतर गए। मालगाड़ी में चूना पत्थर लदा था। हालांकि, दुर्घटना में किसी प्रकार की हानि नहीं हुई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। ईस्ट कोस्ट रेलवे का भी हादसे पर बयान आया है। रेलवे ने बताया कि निजी सीमेंट

कंपनी द्वारा इस मालगाड़ी को चलाया जा रहा था। यह नैरो गेज साइडिंग पर चल रही थी। कंपनी द्वारा ही रोलिंग स्टॉक, इंजन, वैगन, ट्रेन ट्रैक (नैरो गेज) समेत सभी बुनियादी ढांचे का रखरखाव किया जा रहा है। इससे पहले शुक्रवार को ओडिशा में दर्दनाक रेल हादसा हुआ था। इस हादसे में अब तक 275 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 1100 लोग जख्मी हुए हैं। मृतकों में 187 शवों की पहचान नहीं हो पाई है।

ट्रिपल ट्रेन एक्सीडेंट में सीबीआई जांच हो : रेल मंत्री

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ओडिशा के बालासोर में घटना स्थल पर डेरा डाले हुए हैं। उन्होंने बताया कि हमने ट्रिपल ट्रेन एक्सीडेंट में सीबीआई जांच की मांग की है। हालांकि, उन्होंने हादसे की वजह इलेक्ट्रिक प्वाइंट मशीन और इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग को बताया था। वैष्णव ने कहा कि प्वाइंट मशीन की सेटिंग बदल दी गई थी। ऐसा कैसे और क्यों किया गया यह जांच रिपोर्ट में सामने आएगा। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि इस भयानक घटना के मूल कारण की पहचान कर ली गई है। मैं विवरण में नहीं जाना चाहता। रिपोर्ट आने दीजिए, मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि हादसे की असली वजह और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर ली गई है।

अखिलेश यादव का भाजपा पर वार, बोले- 2024 में इनका उत्तर प्रदेश और देश, दोनों जगह से हो जाएगा सफाया

लखनऊ (एजेंसी)। 2024 चुनाव को लेकर राजनीति तेज होती दिखाई दे रही है। एक ओर जहां विपक्षी दल एक मजबूत गठबंधन की कवायद में जुटे हैं तो वहीं भाजपा लगातार सरकार के कामकाज लोगों तक पहुंचा रही है और मोदी सरकार की उपलब्धियां बता रही। इन सब के बीच उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया है कि 2024 में भाजपा का देश से सफाया हो जाएगा। सपा प्रमुख अखिलेश यादव लखीमपुर खीरी के दौरे पर थे।

अखिलेश का वार

अखिलेश यादव ने कहा कि यह जो ट्रिपल इंजन का सपना दिखा रहे थे, वह ट्रिपल इंजन भिड़ गए। उन्होंने दावा किया कि इनके (भाजपा) सांसद पुलिस को पीट रहे हैं। सरकार अपराधियों को बचा रही है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि 2024 में भाजपा का उत्तर प्रदेश और देश दोनों से सफाया हो जाएगा। अखिलेश यादव ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा भेदभाव करती है, भाजपा के नेता चाहे जितनी गुण्डई, बदमाशी करें उन पर कार्रवाई नहीं होती है। भाजपा सरकार में उनकी पार्टी के लोगों के सौ खून माफ हैं, वहीं गरीब, पिछड़ा, मुसलमान और समाजवादी लोगों पर बुल्डोजर चलाया जाता है।

योगी पर सीधा निशाना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री जी को साड़ी के कारोबार और बुनकर भाइयों की समस्या के समाधान से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें बस नर्सरी याद आती है और अपने आप को भूल जाते हैं कि उन पर कौन-कौन से मुकदमे थे। उन्होंने कहा कि बीजेपी की पूरी सरकार बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ की बात करते थे। आज जब पहलवान बेटियां धरने पर बैठी है तो इनका नारा कहां है? इनका नारा केवल इसलिए था कि नारियों, बेटियों से वोट मिल जाए।

कुछ दलों के अध्यक्षों के नहीं आ पाने से 12 जून को मीटिंग नहीं होगी: सीएम नीतीश

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधनी पटना में 12 जून को भाजपा विरोधी दलों की पहली विपक्षी एकता मीटिंग टल गई है। बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू के नेता नीतीश कुमार ने कहा कि 12 जून को मीटिंग नहीं होगी, क्योंकि कुछ दलों के अध्यक्ष नहीं आ पा रहे थे। नीतीश ने कहा है कि इस बात पर कुछ दलों का कहना था कि ये ठीक नहीं होगा, इसलिए बैठक को अभी टाल दिया गया है। जब सभी दलों के अध्यक्ष बैठक के लिए उपलब्ध होंगे तो मीटिंग होगी। नीतीश ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस को भी यह बता दिया है। मालूम रहे कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे या राहुल गांधी 12 जून को होने वाली मीटिंग के लिए उपलब्ध नहीं थे, इसलिए कांग्रेस ने बैठक की तारीख बढ़ाने को कहा था। कांग्रेस ने कहा था कि अगर 12 जून को मीटिंग होगी तो उसकी तरफ से एक मुख्यमंत्री समेत दो नेता जाएंगे। पटना में नीतीश ने सोमवार को मीडिया से कहा कि 12 जून की मीटिंग के लिए अधिकतर नेताओं का समर्थन आ गया था, लेकिन एक-दो लोग उस दिन नहीं थे।

बिहार सीएम नीतीश कुमार की पहल पर और उनकी ही मेजबानी में होने वाली विपक्षी दलों की इस पहली मीटिंग में जेडीयू और आरजेडी के अलावा पश्चिम बंगाल से टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी, यूपी से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, दिल्ली से आप संयोजक अरविंद केजरीवाल, महाराष्ट्र से एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार, उद्धव शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे समेत वामपंथी पार्टी के नेताओं के आने की खबर थी। कांग्रेस की तरफ से ये साफ कर दिया गया था कि राहुल गांधी या कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 12 जून को मीटिंग होने की सूरत में पटना नहीं जाएंगे।

किसानों को मुफ्त बिजली देने प्रतिवर्ष 12,000 करोड़ खर्च कर रही तेलंगाना सरकार: राव

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में किसानों को मुफ्त बिजली मुहैया कराने के लिए सालाना 12,000 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। मुख्यमंत्री ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के बाद खाद्य प्रसंस्करण उद्योग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। राव ने कहा कि किसान समुदाय को मजबूत करने और कृषि को एक लाभकारी उद्यम बनाने तथा किसानों के चेहरों पर मुस्कान लाने के लिए सरकार किसानों को मुफ्त बिजली देने के लिए सालाना 12,000 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि कोई विपक्षी दल सत्ता में आते हैं, तो भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) द्वारा संचालित प्रमुख योजनाएं जैसे मुफ्त बिजली, किसानों के लिए रायतु बंधु वित्तीय सहायता और अनुसूचित जाति के सदस्यों के लिए उद्यम शुरू करने के लिए दलित बंधु जैसी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी। मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों को तय करना चाहिए कि जो पार्टी इन योजनाओं को खत्म करेगी वह सत्ता में आए या हम (बीआरएस) सत्ता में बने रहें। राव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता कह रहे हैं कि धरणी पोर्टल बंगाल की खाड़ी में फेंक दिया जाएगा। वे फिर से चाहते हैं कि बिचौलिये प्रवेश करें। अगर धरणी पोर्टल को हटा दिया गया तो क्या सभी कल्याणकारी योजनाएं आप तक पहुंचेंगी? उन्होंने कहा कि धरणी पोर्टल शुरू होने के बाद, कृषि भूमि पंजीकरण केवल 15 मिनट में पूरा किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में भाजपा झोंकने वाली है अपनी पूरी ताकत, 22 को अमित शाह तो 30 जून को जेपी नड्डा करेंगे राज्य का दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 9 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके सरकार के कामकाज को लोगों तक पहुंचाने में जुटी हुई है। इसके साथ ही चुनावी राज्यों को साधने की भी कोशिश की जा रही है। छत्तीसगढ़ में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। फिलहाल राज्य में कांग्रेस की सरकार है। यही कारण है कि भाजपा छत्तीसगढ़ में अपनी पूरी ताकत लगाने की तैयारी में है। जानकारी के मुताबिक इस महीने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। इसको लेकर छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रमुख अरुण साव ने जानकारी दी।

अरुण साव ने क्या कहा

छत्तीसगढ़ के भाजपा प्रमुख अरुण साव ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 22 जून को छत्तीसगढ़ के दुर्ग में एक सभा को संबोधित करेंगे, जबकि 30 जून को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा %जनसंपर्क महा अभियान% के तहत बिलासपुर जिले का दौरा करेंगे। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर 30 मई से 30 जून तक देश भर में अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत देश भर में 51 सभाएं होंगी। आपको बता दें कि 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को छत्तीसगढ़ में जबरदस्त हार का सामना करना पड़ा था। छत्तीसगढ़ में भाजपा का रिकॉर्ड समय तक शासन में रही थी।

शराब घोटाला बड़ा मुद्दा

छत्तीसगढ़ में भाजपा शराब घोटाले को बड़ा मुद्दा बना रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रमन सिंह ने कहा कि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व तय करे कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पद पर बने रहने का अधिकार है या नहीं। पूर्व मुख्यमंत्री सिंह सत्तारूढ़ दल कांग्रेस के उस दावे पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे जिसमें कहा गया कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के दौरान 4,400 करोड़ रुपये का शराब घोटाला हुआ था। कांग्रेस के आरोपों को लेकर सिंह ने पलटवार करते हुए कहा, ''इससे बड़ा मजाक नहीं हो सकता। वह (बघेल) चार साल से मुख्यमंत्री के पद पर बैठे हैं। बार-बार एसआईटी का गठन किया जा चुका है। एक रूपए का भी भ्रष्टाचार प्रमाणित होता तो क्या कार्रवाई नहीं होती। अपनी चोरी को छुपाने के लिए वह सबको भ्रष्ट बताने की कोशिश कर रहे हैं।''

फारुक अब्दुल्ला ने फिर अलापा पाक से बातचीत का राग, नहीं पचा पाए जी-20 की सफलता

जम्मू (एजेंसी)। फारुक अब्दुल्ला ने पाकिस्तान से बातचीत का राग एक बार फिर अलापा है। उन्होंने कहा है कि कश्मीर में जी-20 कार्यक्रम आयोजित करने से घाटी में पर्यटन को तब तक लाभ नहीं होगा जब तक भारत और पाकिस्तान केंद्र शासित प्रदेश के भविष्य को बातचीत के जरिए नहीं सुलझाते। लेकिन जानकार बताते हैं कि फारुक को समझना होगा कि पाकिस्तान से बातचीत आखिर कैसे हो सकती है। सीमापार से आतंकवाद को प्रश्रय दे रहे देश से बातचीत कैसे की जा सकती है? अभी गोवा में जब एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी उसमें पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने जिस तरह घुमा-फिरा कर कश्मीर का मुद्दा उठाया था क्या उसे अब्दुल्ला भूल गये हैं? अभी जी20 की बैठक के दौरान पीओके के मुजफ्फराबाद जाकर एक रैली को संबोधित करते हुए बिलावल ने कश्मीर और कश्मीरियों के बारे में जो कुछ कहा था क्या उसे अब्दुल्ला भूल गये हैं? दरअसल यह भूले कुछ भी नहीं हैं यह तो सब कुछ जानते समझते हुए भी पाक का राग अलापने वाले लोग हैं। जहां तक पाकिस्तान से बातचीत का सवाल है तो भारत का इस बारे में स्पष्ट रुख है जिसे हाल ही में एससीओ बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दोहराते हुए कहा था कि आतंकवाद के शिकार लोग आतंकवाद पर चर्चा करने के लिए आतंकवाद के अपराधियों के साथ नहीं बैठते हैं।

हालांकि फारुक अब्दुल्ला ने मीडिया से बातचीत के दौरान महबूबा मुफ्ती को पासपोर्ट मिलने से संबंधित सवाल पूछे जाने पर खुशी तो जताई ही साथ ही यह भी कहा कि अब वह दुनिया को जाकर कश्मीर का सच बता सकेंगी। यहां अब्दुल्ला से सवाल किया गया कि दुनिया को कश्मीर का कौन-सा सच महबूबा बताएंगी? कश्मीर का सच तो अभी जी20 बैठक के दौरान तमाम देशों के प्रतिनिधियों के साथ ही संयुक्त राष्ट्र से आये प्रतिनिधि भी देखकर गये हैं। कश्मीर का सच यह है कि अब्दुल्लाओं और मुफ्तियों के राज में कश्मीर ने आतंकवाद के दंश को झेला है। कश्मीर का सच यह है कि 370 हटने के बाद से यहां अन्याय, शोषण और भेदभाव को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। कश्मीर का सच यह है कि आज यहां विदेशी निवेश आ रहा है जो आर्थिक उन्नति का संकेत है।

दरअसल कश्मीर का सच यह है कि आज यहां जमीनी लोकतंत्र मजबूत हुआ है, नए उद्योग आ रहे हैं, तेजी से कृषि विकास गांवों को समृद्ध बना रहा है और बुनियादी ढांचा विकास तेजी से हो रहा है। कश्मीर का सच यह है कि पिछले साल रिकॉर्ड 1.8 करोड़ से अधिक पर्यटक यहां आये थे। कश्मीर का सच यह है कि इस बार के पर्यटन सीजन में पिछले साल का रिकॉर्ड टूटने के आसार हैं। कश्मीर का सच यह है कि पिछले साल यहां 300 से अधिक फिल्मों की शूटिंग हुई और करीब चार

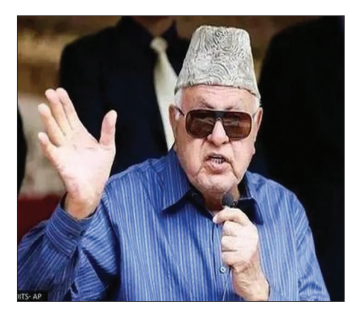

दशक के लंबे विराम के बाद जम्मू-कश्मीर ने बॉलीवुड के साथ अपने संबंध फिर से स्थापित कर लिए और इस साल भी यहां तमाम फिल्मों, धारावाहिकों और वेब सीरीज की शूटिंग चल रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत नगर पालिका के आठवें जोन में देरासर के मुद्दे पर एक और विवाद

सुमेरूरेजीडेंसी जैन देरासर को लेकर बवाल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कुछ समय पहले सूरत नगर पालिका अठवा जोन में एक गया है। इस रिहायशी सोसाइटी में 120 फ्लैट धारक और 40 फ्लैट का भुगतान जैन समाज के अग्रणीयों द्वारा किया जब अचानक दो गुट आपस में भिड़ गए और पुलिस को भी बीच में घुसना पड़ा। पुलिस के हस्तक्षेप से दोनों पक्षों में दूसरा पक्ष देरासर के खिलाफ। सोसायटी के कुछ रहवासियों का आरोप है कि उन्होंने 200 से अधिक बार अठवा जोन जोन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसी बात को लेकर एक बार फिर सोसायटी में दोनों पक्षों के लोगों के बीच

सोसाइटी के कॉमन प्लॉट में अस्थायी ढांचे के नाम पर देरासर बनाए जाने को लेकर विवाद हो गया था। विवाद अभी शांत ही हुआ था कि सूरत में सुमेरू रेजीडेंसी के कॉमन प्लॉट में जैन देरासर निर्माण को लेकर विवाद हो जाता है। उनके द्वारा परिसर में जैन देरासर बनाए जाने के कारण अन्य फ्लैट धारकों द्वारा काफी विरोध किया गया। रेजिडेंशियल सोसाइटी के कॉमन प्लॉट में देरासर बनाने को लेकर सोसायटी के दो गुट आमने-सामने आ गए। उस वक्त माहौल तनावपूर्ण हो गया समझौता हो गया था। वहीं सोसायटी के रहवासियों का आरोप है कि कॉमन प्लॉट में देरासर को लेकर सोसायटी के रहवासियों द्वारा जोन में 200 से अधिक आवेदन दिया जा चुका है, लेकिन कोई काम नहीं हो रहा है। सोसायटी का एक पक्ष देरासर के पक्ष में है तो में कॉमन प्लॉट पर अवैध अतिक्रमण की शिकायत की है लेकिन जोन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। सोसायटी में बैंक्वेट हॉल और गेम जोन को तोड़कर जोन ने खुद को संतुष्ट किया है। जबकि सीओपी में हो रहे जैन देरासर मामले पर अठवा कहासुनी हुई और इस कारण पुलिस को घुसना पड़ा। हंगामे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और ज्ञात हुआ है कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत से समझौता हो गया। हालांकि अठवा जोन की कार्यप्रणाली का सोसायटी के रहवासीयों विरोध किया जा रहा हैं।

सूरत रेलवे स्टेशन को विकसित करने के लिए

मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्टेशन हब प्रोजेक्ट के पहले चरण का कार्य शुरू

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कन्वर्ट से 162 वर्ग मीटर की निकासी के प्रयास, अब नगर पालिका के पास एमएमटीएस द्वारा सूरत के रेलवे स्टेशन के विकास के लिए पहले पेज का कार्य शुरू कर दिया गया है। नगर पालिका ने अंतिम टीपी योजना संख्या 4 (अश्विनीकुमार-नवागम), से सहमत नहीं थे। उन्होंने पांच लाख रूपये प्रति वर्ग मीटर की दर से जगह उपलब्ध कराने की

सूरत रेलवे स्टेशन को विकसित करने के साथ मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्टेशन हब प्रोजेक्ट के पहले चरण पर काम शुरू हो गया है। इस परियोजना के लिए सूरत-कामराज वराछा मेन रोड से सूर्यपुर गरनाला के पूर्व में परियोजना के प्रवेश-निकास के लिए पूर्व में लागू रेलवे है। अब इसके लिए जगह तलाश कर अनिवार्य संपादन करने का निर्णय लिया गया है। इस स्थल को अनिवार्य अर्जन से प्राप्त करने के लिए नगर पालिका की स्थायी समिति में प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, इस पर निर्णय लिया जायेगा। सूरत महानगर पालिका वेस्टर्न रेलवे, गुजरात स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट इस प्रोजेक्ट के लिए वराछा के पास आए सूर्यपुर गरनाला के पूर्व तरफ सूरत कामरेज वराछा मैन रोड के तरफ से प्रोजेक्ट की एंट्री एग्जिट के लिए रेलवे कलवर्ड को पूर्व लागू 162 चौरस मीटर वाली जगह पाने के लिए पालिका ने जगह मालिक के साथ बातचीत कोशिश की थी। अंतिम प्लॉट संख्या 266/1 क्षेत्र 162 वर्ग मीटर के लिए भूमि मालिक के साथ बातचीत की थी।

नगरपालिका ने जमीन के मालिक को 21,214 प्रति वर्ग मीटर की कीमत की पेशकश भी की थी। लेकिन परिसर के मालिक नगर पालिका के इस प्रस्ताव इच्छा जताई।

लेकिन नगर पालिका को भू-मालिकों द्वारा दिया गया प्रस्ताव अनुचित लगा, अब नगर पालिका ने इस परियोजना के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि का अधिग्रहण करने का निर्णय लिया है और इसके लिए स्थायी समिति को प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

"मिशन जीवन-पर्यावरण जीवन शैली" विषय पर सनराइज आर्मी और पुलिस प्रशिक्षण संस्थान विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' के उत्सव के रूप में केंद्रीय संचार ब्यूरो, सनराइज आर्मी और पुलिस प्रशिक्षण संस्थान, सूरत द्वारा श्री छत्रपति शिवाजी महाराज स्पोर्ट्स संकुल, उधना में "मिशन जीवन-पर्यावरण जीवन शैली" पर एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 100 से अधिक प्रशिक्षार्थी सहित जनप्रतिनिधि, अभियोजक एवं नागरिक उपस्थित रहे थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीसीपी श्री भागीरथ गढ़वी ने प्रशिक्षुओं को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार होने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनका संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया गया। और पर्यावरण को समृद्ध करना ही मानव जीवन का संवर्धन है, उन्होंने युवाओं से प्रकृति के प्रति जागरूक होने का आग्रह किया, जो मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त आईएएस श्री आर.जे पटेल ने आधुनिकीकरण के युग में "पर्यावरण शरण गच्छामि" के संस्कृत वाक्यांश के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझाया। अपने अनुभवों के बारे में बात करते हुए उन्होंने आज के युवाओं से पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करने की अपील की। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए विज्ञान और धर्म के सामंजस्य की आवश्यकता के बारे में लोगों को समझाया गया और उचित व्यवहार करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। क्षेत्र के नगर सेवक श्री सोमनाथभाई मराठे ने अपने क्षेत्र में 5000 से अधिक पौधे रोपे और पर्यावरण संतुलन के लिए नई पीढ़ी की सक्रियता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में 'विश्व पर्यावरण दिवस' के संबंध में चित्रकला, निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। अतिथियों द्वारा पौधारोपण भी किया गया। साथ ही यहां उपस्थित प्रशिक्षुओं को उपहार स्वरूप गुलाब का पौधा दिया गया। सनराइज आर्मी एंड पुलिस ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष श्री प्रदीपभाई शिरसाठ, जिला युवा विकास अधिकारी श्री राधिकाबेन लठिया, आरएफओ श्री जिग्नेशभाई गामित, भेस्तान अग्निशमन अधिकारी श्री हितेशभाई पाटिल, रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य श्री विनोदभाई पवार, नगर सेवक श्री सोमनाथभाई मराठे, नगर सेवक श्री बलवंतभाई पटेल, महामंत्री श्रीमती मायाबेन बराड, पीएसआई (उधना) श्री डी.एम. मुलयासिया, एल.आई.बी के हे.को. हरीशभाई सोलंकी, क्षेत्रीय प्रचार अधिकारीश्री इंद्रवदन सिंह झाला, एडवोकेट रिलेशभाई लिम्बाचिया, बीएसएफ के शिवराजभाई सावले और शिक्षक धर्मेशभाई प्रजापति, कौशल बागड़े, कमलेश शिरसाठ और चंद्रकांत क्षीरसागर उपस्थित थे।

सरकार द्वारा आरटीई के तहत प्रवेश के लिए एडमिट कार्ड जारी करने के बावजूद सुरत के स्कूलों में प्रवेश नहीं देने पर विवाद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शिक्षा का अधिकार कानून के तहत गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों को निजी स्कूलों में शिक्षा दिलाने की व्यवस्था की गई है, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि सूरत में यह स्थिति पैदा हो गई है कि सरकार के इस कानून को स्कूल नहीं मानते हैं। यह बात सामने आई है कि कतारगाम क्षेत्र के बाल आश्रम के पास वी.आर गोधानी स्कूल के प्रशासकों द्वारा कई वास्तविक छात्रों को प्रवेश नहीं दिया गया है। जब बच्चे प्रवेश प्रक्रिया के लिए विद्यालय पहुंचे तो विद्यालय ने स्पष्ट रूप से प्रवेश ना देने की बात कही, जिससे अभिभावकों में भारी रोष देखने को मिला। अभिभावकों ने कहा कि सरकार ने आरटीई प्रवेश पत्र दिया है जिसमें साफ लिखा है कि आप अपने बच्चे को इस स्कूल में पढ़ने के लिए ले जा सकते हैं। इसके बाद भी स्कूल के प्रशासकों की दादागिरी इतनी थी की उन्होंने हमें प्रवेश नहीं दिया, लेकिन हमने बड़ी विनम्रता से पूछा कि हमें प्रवेश क्यों नहीं दिया गया। साथ ही उनके द्वारा इस मामले पर भी कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। अंत में हमने जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में जाकर अपनी बात रखी। अब आगे की कार्रवाई जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा की जाएगी।

सूरत में आम आदमी पार्टी की महिला पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री को पत्र के साथ काला रुमाल भेजा गया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आम आदमी पार्टी की महिला प्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर महिला पहलवानों का शोषण करने वाले बृजभूषण सिंह को तत्काल गिरफ्तार करने की मांग की है। बेटियों के साथ अन्याय हो रहा है, यह वास्तव में भारतीय जनता पार्टी के लिए कलंक का विषय है। महिला पहलवान कई दिनों से बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रही हैं। आम आदमी पार्टी की महिला विंग ने आरोप लगाया है कि बीजेपी उनकी मांगों पर विचार करने के बजाय भारत माता की बेटियों की भावनाओं को सिस्टम द्वारा प्रताड़ित कर आहत कर रही है।

पार्टी के महिला मोर्चा की प्रमुख नीता पटेल ने कहा कि न्याय के लिए संघर्ष कर रही बेटियों को देश के लिए मिले मेडलों को गंगा में फेंकने पर मजबूर होना पड़ा है। देश को गौरवान्वित करने वाली बेटियों के मैडल गंगा में प्रवाहित होंगे तो माँ गंगा भी द्रव रूप ले लेगी। साथ ही प्रमुख ने कहा की हिंदुस्तान की बेटी को इंसाफ दिलाने की अपील भेज रही हूं और साथ ही यह देखकर हमें बहुत दुख हो रहा है महिला अग्रदूतों के साथ उत्पीड़न के दृश्य हो रहे है। आम आदमी पार्टी भी दुखी है दोसी भाजपा का है इसलिए हम इस कुशासन के लिए चिट्ठी के साथ काला रुमाल भेंट कर रहे हैं। हम चाहते है की महिलाओ की डिमांड जल्द से जल्द पूरी हो।